RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-232 जयपुर, शनिवार, 21 फरवरी 2026 मूल्य-4 रूपये

पैक्स सिलिका समझौते पर भारत ने किए हस्ताक्षर, एआई-सप्लाई चेन सुरक्षा से जुड़ा है प्रयास

अब चिप और मिनरल सप्लाई चेन होगी सेफ

चिप सेक्टर में 10 लाख नौकरियां आएंगी

नई दिल्ली

भारत ने आज औपचारिक रूप से अमेरिका की अगुवाई वाली पहल 'पैक्स सिलिका' में शामिल होने के लिए हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बनाई गई है। वहीं इस हस्ताक्षर के बाद ट्रंप सरकार में मंत्री जैकब हेलबर्ग ने कहा, पैक्स सिलिका इस बात की घोषणा है कि भविष्य उन्हीं का है जो निर्माण करते हैं और जब स्वतंत्र लोग एकजुट होते हैं। इस घोषणा में कहा गया है कि एआई भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है और सुरक्षित सप्लाई चेन किसी भी देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है।

वैष्णव बोले- सेमीकंडक्टर का हब बनेगा भारत

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अमेरिकी आर्थिक मामलों के सचिव जैकब हेलबर्ग ने इसपर साइन किए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत अब पैक्स सिलिका का हिस्सा बन गया है, जिससे देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर को बड़ा फायदा होगा।

उन्होंने बताया- भारत में पहले से ही 10 प्लांट्स पर काम चल रहा है। बहुत जल्द देश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट में चिप का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। वैष्णव ने यह भी साझा किया कि भारतीय इंजीनियर अब देश में ही एडवांस '2-नैनोमीटर' चिप डिजाइन कर रहे हैं।

अमेरिका बोला- भारत का प्रवेश सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं

समिट में शामिल अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस गठबंधन में भारत की एंट्री को रणनीतिक रूप से अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा, 'भारत के पास ऐसा टैलेंट है जो किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकता है। भारत की इंजीनियरिंग गहराई इस गठबंधन के लिए बहुत जरूरी है।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को आने वाले समय में करीब 10 लाख अतिरिक्त स्किल्ड प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी और दुनिया की यह उम्मीद भारत से ही है। उन्होंने कहा, 'देश के पास अब एक साफ दिशा और लक्ष्य है। हमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडरशिप लेनी है।

सर्जियो गोर ने भारत में हो रही इस समिट को बेहद प्रभावशाली बताया। जब उनसे पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संकेत देते हुए कहा- बने रहिए। मुझे यकीन है कि सही समय पर यह मुलाकात जरूर होगी।

इंडिया एआई समिट की बड़ी कामयाबी

250 अरब डॉलर का होगा निवेश, 70 से अधिक देश घोषणापत्र पर करेंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई समिट' भारत के तकनीकी और आर्थिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक आयोजन साबित हो रहा है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता करार दिया है। इस वैश्विक महासम्मेलन में न केवल बुनियादी ढांचे के लिए 250 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हासिल हुआ है, बल्कि 70 देशों ने भारत के कूटनीतिक नेतृत्व में 'दिल्ली घोषणापत्र' पर अपनी सहमति भी जता दी है। आसान शब्दों में कहें तो, यह समिट भारत को तकनीक की दुनिया में एक नए ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर रहा है।

इस शिखर सम्मेलन का सबसे अहम कूटनीतिक हिस्सा 'दिल्ली घोषणापत्र' रहा है। शुक्रवार को 20 फरवरी 2026 को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि अब तक 70 राष्ट्र इस घोषणापत्र पर

हस्ताक्षर कर चुके हैं और कई अन्य देशों के साथ बातचीत अभी भी जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शनिवार को इस आयोजन के समापन तक सहमति जताने वाले देशों का अंतिम आंकड़ा 80 को पार कर जाएगा। इस दिल्ली घोषणापत्र की विस्तृत रूपरेखा और इसके अहम बिंदुओं को शनिवार को पूरी पारदर्शिता के साथ दुनिया के सामने साझा किया जाएगा।

भारत की बढ़ती तकनीकी ताकत को घरेलू स्तर पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आईटी मंत्री ने बताया कि इस प्रदर्शनी में पांच से अधिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया, जो देश में उन्नत तकनीक के प्रति भारी उत्साह को दर्शाता है।

यूपी के इंजीनियर और उसकी पत्नी को फांसी होगी

बच्चों का यौन शोषण के वीडियो बनाकर बेचता था

जज बोले- मरते दम तक फंदे पर लटकाओ

बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा कोर्ट ने शुक्रवार को बच्चों का यौन शोषण करने वाले पति-पत्नी को फांसी की सजा सुनाई। ये दोनों बच्चों का यौन शोषण करते थे और अश्लील वीडियो-फोटो बनाकर डार्क वेब के जरिए विदेशों में बेचते थे।

फैसला देते समय पॉक्सो कोर्ट के जज प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा- दोनों पति-पत्नी को मरते दम तक फंदे पर लटकाए रखा जाए। इससे पहले कोर्ट ने 18 फरवरी को दोनों को दोषी ठहराया था।

पति रामभवन सिंचाई विभाग का इंजीनियर था, जबकि पत्नी दुर्गावती हाउस वाइफ थी। सीबीआई ने रामभवन को 18 नवंबर, 2020 को अरेस्ट किया था। वहीं, दुर्गावती को गवाहों पर दबाव डालकर समझौता कराने का दोषी पाया गया था।

बांदा का रहने वाला रामभवन (55) चित्रकूट में सिंचाई विभाग में जेई के पद पर तैनात था। वह चित्रकूट की SDM कॉलोनी में पत्नी दुर्गावती (50) के साथ रहता था। दोनों के कोई संतान नहीं थी। रामभवन अपनी पत्नी के साथ मिलकर गरीब घरों के बच्चों को लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। दोनों मिलकर नाबालिगों का कुकर्म करते थे। बच्चों की उम्र 5 से 16 साल के बीच होती थी। बच्चों के साथ पत्नी संबंध बनाती थी, जबकि रामभवन उनसे कुकर्म करता था। इतना ही नहीं, दोनों लैपटॉप के कैमरे के जरिए बच्चों के अश्लील वीडियो भी बना लेते थे।

इस दौरान अगर कोई बच्चा विरोध करता था, तो पति-पत्नी उसे मारते-पीटते थे। चिल्लाने पर उनका मुंह दबा देते थे। फिर पैसे या खिलौने, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट देने का लालच देकर उसकी जुबान बंद करा देते थे।

संघ का मूल उद्देश्य सत्ता नहीं हिन्दू समाज का संगठन करना है : भागवत

मेरठ। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए नहीं बना है। संघ को किसी प्रकार की सत्ता भी नहीं चाहिए। संघ का मूल उद्देश्य समस्त हिन्दू समाज का संगठन करना है। यदि संघ को समझना है तो संघ के अन्दर आना होगा। संघ के स्वयंसेवक आज विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं।

एक अप्रैल से सिर्फ फास्टैग और यूपीआई से ही कटेगा टोल टैक्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर नकद भुगतना बंद करने का ऐलान किया है। देश में एक अप्रैल से टोल शुल्क केवल फास्टैग या यूपीआई से लिया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक देशभर में 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू होगी। यह पहल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उस लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत तकनीक-आधारित, तेज और निर्बाध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक अगर कोई वाहन बिना वैध फास्टैग के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे दोगुना शुल्क लिया जाता है।

बंगाल एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एसआईआर प्रकिया में शामिल किए जाएंगे न्यायिक अधिकारी

कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा- सीजेएम हटाकर पुराने जजों को खोजें

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की।

कोर्ट ने सख्त रूख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया।

कोर्ट ने इस विवाद को बताया गंभीर

मतदाता सूची से जुड़े इस मामले को गंभीर बताते हुए कोर्ट ने कहा कि सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी तार्किक विसंगति सूची में शामिल लोगों के दावों और आपत्तियों पर फैसला करेंगे। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को भी लगभग एक हफ्ते की मोहलत दी। अदालत ने कहा कि निर्वाचन आयोग 28 फरवरी को बंगाल में मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि बाद में पूरक सूची भी जारी की जा सकती है।

लालसोट में महिला से गैंगरेप और हत्या मामले में दो दोषियों को फांसी की सजा

दौसा

लालसोट में महिला से दुष्कर्म और हत्या के बहुचर्चित मामले में अदालत ने कड़ा फैसला सुनाते हुए दो दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। एडीजे ऋतु चौधरी ने शुक्रवार को सजा का ऐलान किया। इससे एक दिन पहले गुरुवार को कोर्ट ने सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष लोक अभियोजक महावीर सिंह किशनावत के अनुसार 23 अप्रैल 2022 को जयपुर की महिला अपने पीहर आ रही थी। वह बस स्टैंड पर उतरकर पैदल घर की ओर जा रही थी। उसी समय एक 14 वर्षीय नाबालिग उसी दिशा में जा रहा था। इसी दौरान संजू मीणा (23) और कालू मीणा (27) कार में वहां पहुंचे और दोनों को लिफ्ट देने के बहाने कार में बिठा लिया। नाबालिग आरोपी गांव का ही रहने वाला था। रास्ते में नाबालिग का घर आने पर उसे उतार दिया, जबकि महिला को आगे छोड़ने का आश्वासन देकर कार में बिठाए रखा। आरोपी महिला को करीब 5 किलोमीटर दूर एक गांव के सुनसान नदी क्षेत्र में ले गए, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपियों ने महिला के जेवर व नकदी भी लूट ली। महिला द्वारा घरवालों को घटना बताने की बात कहने पर आरोपियों ने स्कॉर्फ से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को जलाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं होने पर दूसरे गांव में स्थित एक कुएं में शव फेंक दिया। महिला की गुमशुदगी और नाबालिग के बयान के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर महिला का शव कुएं से बरामद किया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 45 गवाहों के बयान दर्ज किए। गवाहों ने घटना से जुड़े तथ्य प्रस्तुत किए।

कान्हा ग्रुप पर आयकर की छापेमारी जारी, पांच करोड़ की ज्वेलरी बरामद

जयपुर

राजस्थान की प्रसिद्ध फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट समूह पर आयकर विभाग की कार्रवाई शुक्रवार तीसरे दिन भी जारी रही। बुधवार सुबह शुरू हुई छापेमारी में जयपुर सहित छह शहरों और मुंबई तक फैले 33 ठिकानों पर सर्च किया जा रहा है। जयपुर में सर्वाधिक 26 परिसरों-कार्यालय, गोदाम और अन्य प्रतिष्ठानों की जांच चल रही है। आयकर विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान एक ठिकाने पर दीवार के पीछे बना खुफिया कक्ष मिला। संदेह होने पर दीवार तोड़ी तो भीतर मजबूत स्ट्रॉन्ग रूम मिला। जहां से करीब पांच करोड़ रुपये की ज्वेलरी बरामद हुई। सरकारी मूल्यांकन कर्ता आभूषणों का आकलन कर रहे हैं। अब तक करीब एक करोड़ रुपये नकद भी जब्त किए जा चुके हैं। उससे यह साफ है यह टैक्स चोरी का आंकड़ा सौ करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। इसके अलावा टीम को दस बैंकों के लॉकरों की और जानकारी मिली है। उन्हें खुलवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार लॉकरों में बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और सोना मिलने की आशंका है।

सीजेआई बोले-मेरे नाम से नाइजीरिया में बन रहीं फर्जी साइट्स

जयपुर

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- मेरे नाम से हर दूसरे दिन नई साइट बन जाती हैं। उसमें मेरे कई फोटोग्राफ डाल दिए जाते हैं। उन्होंने कहा- मैं आपको अपना एक छोटा सा उदाहरण दे सकता हूं। हर दूसरे दिन मेरे नाम पर एक नई साइट देखता हूं। मेरे एक-दो शुभचिंतक हैं, जो मेरे मोबाइल पर मैसेज भेज देते हैं और कहते हैं कि आपके नाम पर नई साइट बनी है। हाल ही कि कुछ तस्वीरें जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है, वह भी उन साइट्स में अच्छी तरह से लगाई हुई थी। सिर्फ यही नहीं उन साइट से अलग-अलग

तरह के मैसेज भी भेजे जा रहे थे। यह सब मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं, जो मेरे साथ हुआ है।

उन्होंने कहा- मैंने तुरंत साइबर क्राइम को इसकी सूचना दी। इससे उन लोगों को ढूंढ पाए, लेकिन दुर्भाग्य से वह सारी साइट्स नाइजीरिया से संचालित हो रही थी। यह इस अपराध की जटिलता है। साइबर क्राइम की कोई सीमा नहीं।

सेमिनार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में स्पेशल साइबर कोर्ट बनाने की घोषणा की। ष्टरू ने कहा- कोई क्राइम जमीन पर करे या स्क्रीन के पीछे करे, उसकी सजा उसे अवश्य मिलेगी।

जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी ने कहा- जिस तरह से स्कूल में घंटी बजती है, उसी तरह से हमें पता लगता है कि बम की धमकी आ गई है।

स्कूल की दीवार गिरी, छात्रा की मौत

बांस की बल्लियों के सहारे खड़ी थी 8 फीट की दीवार

जालोर

जालोर में प्राइवेट स्कूल की दीवार गिरने से 6 साल की छात्रा की मौत हो गई। स्कूल में सीमेंट के ईंटों की दीवार के ऊपर बांस की बल्लियां लगाकर उस पर तिरपाल डालकर कमरा बनाया गया था। बच्ची स्कूल परिसर में अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। तभी अचानक दीवार भरभराकर ढह गई और बच्ची ईंटों के नीचे दब गई।

हादसा सायला थाना क्षेत्र के बावतरा गांव स्थित मरूधर शिक्षण संस्था में शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे हुआ। छात्रा प्रीति (6) सेकेंड क्लास में पढ़ती थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्कूल में एक ग्राउंड में अलग-अलग क्लास बनी हुई है। इन क्लास के लिए सीमेंट की ईंटों की दीवार बनाकर 10 बाय 10 से लेकर 10 बाय 15 के कमरे बनाए हुए हैं। इन कमरों सीमेंट की ईंटों से 5 से 7 फीट की दीवार खड़ी की गई। इन दीवार पर बांस की बल्लियां लगाकर इन्हें तिरपाल से ढका हुआ है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका

अदालत ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को बताया गैरकानूनी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से सुनाया फैसला

वॉशिंगटन

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर मिली बड़ी हार माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की ओर से आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत एकतरफा रूप से लगाए गए टैरिफ पर केंद्रित है, जिसमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए व्यापक

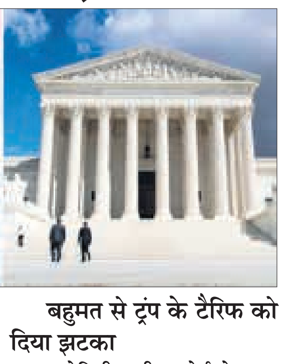

पारस्परिक टैरिफ भी शामिल हैं।

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति के पास लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों से आने वाले सामानों पर व्यापक आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है।

बहुमत से ट्रंप के टैरिफ को दिया झटका

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के इस फैसले से डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ को खत्म कर दिया है। इस फैसले से वैश्विक व्यापार, व्यवसायों, उपभोक्ताओं, मुद्रास्फीति के रुझानों और देश भर के घरेलू वित्त पर व्यापक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जॉन जी रॉबर्ट्स जूनियर ने बहुमत का फैसला लिखा और जस्टिस सोनिया सोतोमेयर, जस्टिस नील एम. गोरसच, जस्टिस एलेना कागन, जस्टिस एमी कोनी बैरेट और जस्टिस केतनजी ब्राउन जैक्सन ने उनका समर्थन किया। जस्टिस क्लेरेंस थॉमस ने असहमति का मत दाखिल किया और जस्टिस ब्रेट एम. कावानाघ और जस्टिस सैमुअल ए. एलिटो जूनियर ने उनका समर्थन किया।

जजों के बहुमत ने पाया कि संविधान स्पष्ट रूप से सिर्फ कांग्रेस को कर लगाने का अधिकार देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में कहा, संविधान निर्माताओं ने कर लगाने की शक्ति का कोई भी हिस्सा कार्यपालिका को नहीं सौंपा। और यह तथ्य कि किसी भी राष्ट्रपति को आईईईपीए में ऐसी शक्ति नहीं मिली है, इस बात का पुख्ता सबूत है कि यह मौजूद ही नहीं है।

यहां जिन टैरिफ पर सवाल उठ रहे हैं, वे समझदारी भरी नीति हो भी सकते हैं और नहीं भी। लेकिन लिखित रूप से, इतिहास में और पूर्व उदाहरणों के आधार पर, वे स्पष्ट रूप से वैध हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ट्रंप के तेवर सख्त

सभी देशों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे

अमेरिकी राजनीति में टैरिफ को लेकर घमासान और तेज हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद कड़े तेवर दिखाते हुए सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त वैश्विक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। ट्रंप ने साफ कहा कि वह आज ही एक नया कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा आज मैं धारा 122 के तहत 10% वैश्विक टैरिफ लगाने का आदेश साइन करूंगा। यह पहले से वसूले जा रहे सामान्य शुल्कों के अतिरिक्त होगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रशासन धारा 301 समेत अन्य प्रावधानों के तहत कई जांच प्रक्रियाएं शुरू कर रहा है, ताकि अमेरिका को अन्य देशों और कंपनियों की कथित अनुचित व्यापारिक नीतियों से बचाया जा सके।

श्रीगंगानगर में दो हाईवे साढ़े-चार घंटे रहे बंद

प्रदर्शनकारी किसान बोले- 26 फरवरी को कलेक्ट्रेट के बाहर डालेंगे महापड़ाव

श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर में किसानों ने सड़क के बीच ट्रैक्टर खड़े कर दो हाईवे जाम कर दिए थे। इसके बाद किसान हा-911 के फूसेवाला टोल प्लाजा और सीसी हेड पर पदमपुर स्टेट हाईवे पर धरने पर बैठ गए थे। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने भाजपा के पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी का पुतला फूंका।

किसानों का कहना है कि पंजाब में फिरोजपुर फीडर पर रिकंस्ट्रक्शन के कारण नहरबंदी के 32 दिन बाद भी उन्हें पानी नहीं मिल रहा। 2600 क्यूसेक की जगह 1500 क्यूसेक पानी छोड़ने का वादा किया गया था, लेकिन एक दिन भी पूरी मात्रा नहीं दी गई। 25 फरवरी को नहरबंदी खत्म होने वाली है। यदि बीकानेर कैनाल में पूरा पानी नहीं छोड़ा गया तो गंगनहर क्षेत्र की फसलें तबाह हो सकती हैं।

इस मांग को लेकर किसानों ने शुक्रवार सुबह 11:30 बजे जाम कर दिया था। हालांकि साढ़े चार घंटे बाद शाम चार बजे जाम खत्म किया।

'वंदे मातरम' विवाद पर शशि थरूर... देशभक्ति दिल से होती, कानून बनाकर मजबूर नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पूर्व मंत्री शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर साफ कहा कि किसी भी नागरिक को गाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस की आलोचना कर कहा कि देशभक्ति दिल से होती है, और कानून बनाकर इस गाने को जबरन किसी की जुबान पर नहीं लाया जा सकता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' अब सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में पूरा गाना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने इस दौरान 'वंदे मातरम' के इतिहास का उल्लेख किया। यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों और सत्याग्रहियों को प्रेरित करता था। उन्होंने कहा कि आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में राज्य और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखकर 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका सम्मानित हो और किसी समुदाय को अलग-थलग न किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

कांग्रेस नेता थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में गीत को संगीतबद्ध किया और 1937 में सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर केवल पहले दो अंतरे गाए जाएं। शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, इससे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी कारण है, क्योंकि इस्लाम में तौहीद के सिद्धांत के अनुसार किसी अन्य ईश्वर या देवी-देवता को मानना या उसकी स्तुति करना स्वीकार्य नहीं है।

कांग्रेस सांसद थरूर ने मोदी सरकार के हालिया आदेश पर भी सवाल उठाकर कहा कि किसी प्रतीक की ताकत उसकी स्वैच्छिक श्रद्धा में है, जबरदस्ती पालन में नहीं। उन्होंने 1986 के सुप्रीम कोर्ट के 'जेहोवाज विटनेस केस' का उदाहरण दिया, जिसमें धार्मिक कारणों से राष्ट्रगान न गाने वाले छात्रों को बहाल किया गया था। थरूर ने सुझाव दिया कि 'वंदे मातरम' विवाद में यही मॉडल अपनाया जाए—जो लोग पूरी श्रद्धा से गाना चाहते हैं, वे गाएं, और जिन्हें धार्मिक या अंतरात्मा की आपत्ति है, उन्हें चुपचाप सम्मान करने का अधिकार मिले, बिना दंड या सामाजिक बहिष्कार के। यह दृष्टिकोण धर्मनिरपेक्षता और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सोच-समझकर किया गया प्रयास है।

नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी... यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते हड़कंप मच गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरलाइंस द्वारा बुकिंग और चेक-इन के लिए इस्तेमाल होने वाले नेविटेयर सिस्टम के सर्वर में समस्या आ गई। इस वजह से यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर यह खराबी सुबह करीब 6:45 बजे सामने आई और तकनीकी टीम ने करीब 7:30 बजे तक ठीक किया। इस दौरान एयरलाइंस को यात्रियों की जानकारी मैनुअल रूप से अपडेट करनी पड़ी, जिससे सुबह की भीड़ में असुविधा बढ़ गई और कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं। इसतरह मुंबई एयरपोर्ट पर भी ऐसी स्थिति देखी गई। नेविटेयर सिस्टम की खराबी के कारण यात्रियों को चेक-इन काउंटर पर लंबा इंतजार करना पड़ा और भीड़भाड़ की शिकायतें सामने आईं। नेविटेयर सिस्टम एयरलाइन टिकट बुकिंग, चेक-इन और बोर्डिंग जैसी सुविधाओं के लिए अत्यंत जरूरी है। इसके ठप होने पर एयरलाइंस यात्रियों को समय पर सेवा देने में असमर्थ होती हैं, इससे देरी और अव्यवस्था होती है। बीते साल नवंबर में भी कई एयरपोर्ट पर तकनीकी गड़बड़ी के मामले सामने आए थे। दिल्ली के आईजीआईए पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली में खराबी के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ था। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने मामले पर स्पष्टीकरण दिया था। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि एयरपोर्ट और एयरलाइंस के लिए तकनीकी सिस्टम की स्थिरता बेहद जरूरी है, और ऐसी खामियों से यात्रियों को असुविधा उठानी पड़ती है। कुल मिलाकर, गुरुवार की यह तकनीकी दिक्कत यात्रियों के लिए थोड़ी परेशानी का कारण बनी, लेकिन तकनीकी टीम की त्वरित कार्रवाई से स्थिति जल्दी नियंत्रण में आ गई।

जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत मामले में ठेकेदारों को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में सेशन कोर्ट ने गिरफ्तार 2 ठेकेदार और एक सहायक ठेकेदार को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है और अपराध की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। एडिशनल सेशन जज हरलीन कौर ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और कविश गुप्ता की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थीं। इनके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने अरेस्ट वारंट जारी किए थे और कहा कि जांच अभी शुरुआती स्टेज में है। कोर्ट ने कहा कि इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं या सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 5 फरवरी की देर रात कमल भवानी (25) की दिल्ली में जल बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरने से मौत हो गई थी। 6 फरवरी की सुबह 8 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद हादसे का पता चला। जांच एजेंसी को उनसे कस्टडी में पूछताछ करनी है। जांच अभी शुरुआती स्टेज में है, और जांच एजेंसी केस से जुड़ी जरूरी चीजें इकट्ठा करने में जुटी है। कहा जाता है कि एप्लीकेंट जांच एजेंसी की पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं कर रहा था और टालमटोल कर रहा था। अपराध की गंभीरता और उसके सामाजिक असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस एप्लीकेशन को मंजूरी देने का कोई आधार नहीं बनता। आवेदक की मौजूदा एंटीसिपेटरी बेल एप्लीकेशन खारिज की जाती है।

पंजाब में सिविल और मिनी सचिवालय सहित पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में सिविल सचिवालय और मिनी सचिवालय के साथ पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद गुरुवार को पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियातन मुख्य द्वारों को बंद कर लोगों के प्रवेश और निकास पर रोक लगा दी। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गईं। परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा घेरा बढ़ाया गया है। आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच की जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। सूत्रों के अनुसार धमकी किसी संदेश या ईमेल के माध्यम से मिली है। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कोई भी जोखिम नहीं लिया जा सकता।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, चार दोस्तों की मौत, इलाके में पसरा मातम

मथुरा (एजेंसी)। यूपी के मथुरा जिले के नगला दैवीया के पास एक तेज रफ्तार कार नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों में तीन युवक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हादसा बुधवार शाम को हुआ। मारुति कार में सवार चार दोस्त किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महावन जा रहे थे। नगला दैवीया के पास कार की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे नहर में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मगोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला। कार के अंदर फंसे युवकों को जब तक बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुए युवकों में से तीन की पहचान हो गई है, जबकि एक की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। मृतकों में राहुल वर्मा (23) निवासी महावन, पेसे से दर्जी (अमित (23) निवासी प्रेमनगर कलां, छात्र और मोहित (22) निवासी महावन, ला का छात्र था। बताया जा रहा है कि जिस कार से हादसा हुआ, वह राहुल वर्मा के भाई सज्जन सिंह की थी। एसपी देहात ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। एक साथ चार युवकों की मौत से महावन और बलदेवगढ़ में सन्नाटा पसरा है।

10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां... दिल्ली सरकार करेगी जब्त

-दिल्ली परिवहन विभाग ने जारी की सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली परिवहन विभाग ने राजधानी में तय उम्र पार कर चुकी गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली है। दिल्ली सरकार की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार अब 10 साल से अधिक पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां, जिन्हें 'एंड ऑफ लाइफ व्हीकल' माना गया है, बिना किसी पूर्व नोटिस के जब्त हो सकती हैं। यह कार्रवाई केवल सड़कों पर चल रही गाड़ियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पार्किंग, खुले मैदान या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर खड़े वाहनों पर लागू होगी। दिल्ली परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुकी गाड़ियों को दिल्ली में रखने की अनुमति नहीं है। यदि ऐसी गाड़ियां राजधानी में दिखाई देती हैं, तब उन्हें कानून के तहत जब्त कर सीधे स्क्रैप (कबाड़) के लिए भेजा जा सकता है। यह कदम वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण मानकों के सख्त पालन के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी पुरानी गाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर उन्हें दिल्ली से बाहर किसी अन्य राज्य में ट्रांसफर करा लें। इससे वे जब्ती और अन्य कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। विभाग का कहना है कि आने वाले समय में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बीएस-3 और उससे नीचे के उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों की जानकारी समय रहते प्राप्त करें और आवश्यक कदम उठाएं, ताकि अचानक होने वाली कार्रवाई से किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संजय राउत के बयान पर पवन खेड़ा कि प्रतिक्रिया... उनके बयान पर इंडिया ब्लॉक में विचार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी संजय राउत के हालिया बयान पर गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा, वह एक वरिष्ठ नेता हैं। अगर उन्होंने कुछ कहा है, तब निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी इस बयान के बारे में विचार कर तय करने वाले हैं कि क्या किया जाए। इसके पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक के कामकाज की आलोचना कर आरोप लगाया कि गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही सक्रिय होता है और प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर लगातार समन्वय का अभाव है।

मुंबई में राउत ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का काम लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर शुरू होता है। तब तक किसी के बीच कोई संवाद नहीं होता। तब तक इंडिया ब्लॉक में जनता क्या कर रही है, यह किसी को नहीं पता होता। उन्होंने इस जोर दिया कि संसद के अंदर मुद्दों को उठाना ही काफी नहीं है, खासकर तब जब विपक्षी नेताओं को बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र कर राउत ने कहा, व राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं देते। क्या हम बाहर कुछ कर सकते हैं?

राउत ने तर्क दिया कि गठबंधन को पूरे राजनीतिक चक्र में सक्रिय रहना चाहिए, न कि केवल आम चुनाव से पहले। उन्होंने किसानों की परेशानी, कानून व्यवस्था और मणिपुर की स्थिति सहित कई गंभीर मुद्दों की ओर इशारा किया, जिन पर समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। देश में इतनी सारी समस्याएं हैं।

पीएम मोदी ने रामकृष्ण को स्वामी कह संबोधित किया, ममता का आरोप... बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने रामकृष्ण परमहंस के जन्मदिन पर उन्हें स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहकर संबोधित किया, जो बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ है और महान संत के प्रति सांस्कृतिक असंवेदनशीलता को दिखाता है। ममता बनर्जी ने पोस्ट पर अपनी नाराजगी जताकर कहा कि यह अभूतपूर्व और अनुचित संबोधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को व्यापक रूप से ठाकुर या श्री रामकृष्ण के रूप में पूजा जाता है। ममता ने कहा कि परमहंस के देहांत के बाद उनके तपस्वी शिष्यों ने रामकृष्ण मठ और मिशन का गठन किया था, जिन्हें भारतीय परंपरा के अनुसार स्वामी कहा गया। लेकिन स्वयं आचार्य या गुरु को हमेशा ठाकुर कहा जाता रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बयान को बंगाल की संस्कृति और परंपराओं की समझ की कमी बताकर अनुचित बताया।

दरअसल, पीएम मोदी ने गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। पीएम मोदी ने लिखा कि उनके आध्यात्मिक विचार और संदेश हमेशा मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहने वाले हैं।

रामकृष्ण परमहंस (1836-1886) दक्षिणेश्वर काली मंदिर के पुजारी थे और विभिन्न धर्मों की एकता तथा आध्यात्मिक सद्भाव का संदेश देने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उनके शिष्यों में स्वामी विवेकानंद प्रमुख थे, जिन्हें स्वामी उपाधि से संबोधित किया गया। वर्तमान में रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण मठ उनकी शिक्षाओं पर आधारित सक्रिय संस्थाएँ हैं। बंगाल में वे ठाकुर के रूप में सम्मानित हैं, इसलिए ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के संबोधन को सांस्कृतिक दृष्टि से असंवेदनशील करार दिया। इस विवाद ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के सही प्रयोग पर बहस को फिर से उभारा है, खासकर उन संदर्भों में जहाँ सार्वजनिक नेताओं द्वारा संतों और आचार्यों को संबोधित किया जाता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में टेका माथा, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में भाग लेने से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दिल्ली के प्रसिद्ध गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका और श्रद्धालुओं के साथ समय बिताया जो भारत-फ्रांस के बीच बढ़ते संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों की इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जहां वे एक वैश्विक नेता के साथ-साथ एक श्रद्धालु के रूप में नजर आ रहे हैं। गुरुद्वारा बंगला साहिब के प्रबंधन ने भी उनके आगमन पर विशेष ध्यान दिया और इस यात्रा को यादगार बना दिया। उन्होंने वहां सिख समुदाय की परंपराओं को देखा और श्रद्धा भाव के साथ अपनी प्रार्थना की। इससे पहले दौरे के दौरान उन्होंने दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह का भी दौरा किया था।

मुस्लिम आरक्षण रद्द करने पर भड़की कांग्रेस ने कहा- बदले की राजनीति के सिवाए कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार द्वारा मुस्लिम समुदाय को शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के 2014 के पुराने आदेश को औपचारिक रूप से रद्द करने के फैसले ने राज्य की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। जहाँ सत्ता पक्ष इसे केवल एक कानूनी और प्रक्रियात्मक औपचारिकता बता रहा है, वहीं विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

यह विवाद 2014 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले शुरू हुआ था, जब तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए मराठा समुदाय को 16 प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय को विशेष पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत 5 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इस नीति को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसने मराठा आरक्षण को तो खारिज कर दिया था, लेकिन शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम आरक्षण को आंशिक रूप से बरकरार रखा था। हालांकि, बाद में आई भाजपा-शिवसेना सरकार ने इस अध्यादेश को कानून का रूप नहीं दिया, जिससे यह समय सीमा समाप्त होने के बाद निष्प्रभावी हो गया था। अब वर्तमान सरकार ने उसी पुराने आदेश (जीआर) को आधिकारिक रूप से रद्द करने का प्रस्ताव जारी किया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों से शपथ के समय सभी के प्रति निष्पक्ष रहने और संविधान का पालन करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें ऐसा नहीं कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उच्च न्यायालय ने कोटे के पक्ष में फैसला सुनाया था, तब भी इसे रद्द करना सरकार की भेदभावपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क है कि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और 2014 का वह आदेश तकनीकी रूप से पहले ही खत्म हो चुका था। इस पूरे घटनाक्रम में उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) शिवसेना का रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल के महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति नरम रुख दिखाने वाली पार्टी ने इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी साध रखी है। पार्टी सांसद संजय राउत ने केवल इतना कहा कि इस विषय पर बाहर चर्चा करने के बजाय आगामी विधानसभा सत्र में अपनी बात रखी जाएगी। वहीं, शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध किया है। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही आरक्षण का यह मुद्दा राज्य में ध्रुवीकरण और तीखी राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

असम में तीसरी बार सत्ता में वापसी को जुटा भगवा दल... कांग्रेस की राह नहीं दिख रही आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा के लिए यहां सत्ता बचाने की चुनौती है। भगवा गुट यदि असम में सरकार बनाने में सफल होता है, तब असम में यह भगवा गुट की हैट्रिक होगी। भाजपा ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी कार्यकर्ताओं को असम विधानसभा में 50 प्रतिशत वोट लाने का लक्ष्य दे दिया है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी का वोट शेयर 33.2 प्रतिशत था। वहीं, सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही कांग्रेस को तब जबरदस्त झटका लगा जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ दी।

भाजपा अध्यक्ष नवीन के द्वारा दिए गए टारगेट को अगर बीजेपी हासिल कर लेती है, तब असम में सभी दलों का सूपड़ा साफ कर देगी। विपक्ष सिर्फ 20-28 सीटों पर सिमट कर रह जाएगा। बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की लोकप्रियता अभी भी कायम है। वहीं सत्ता में वापस आने के लिए व्याकुल दिख रही कांग्रेस की असम विधानसभा की राह आसान नहीं है। वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा के इस्तीफे से जहां पार्टी आंतरिक चुनौती से जूझ रही है, वहीं महाजोत में भी सब कुछ ठीक नहीं है। सीट बंटवारे में ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करने को लेकर महाजोत के कई घटकदल दबाव बनाए हुए हैं। असम में अप्रैल में चुनाव हो सकता है।

तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस असम में पार्टी को एकजुट रखने में विफल रही। तमाम कोशिशों के बाद भी बोरा ने आखिरकार पार्टी छोड़ दी। पार्टी को डर है कि भूपेन बोरा के साथ उनके भरोसेमंद कई विधायक और नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इससे मतदाताओं में पार्टी की छवि कमजोर होगी। इसके साथ महाजोत में सीट बंटवारा भी कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। क्योंकि, 2021 के महाजोत में कई बदलाव हुए हैं। एआईयूडीएफ और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) दोनों महाजोत से अलग हो चुके हैं। बीपीएफ अब एनडीए का हिस्सा है, वहीं मौलाना बदरुद्दीन अजमल की अगुआई में एआईयूडीएफ अपने दम पर चुनाव लड़ेगा।

वहीं, असम जातीय परिषद और अखिल गोगोई का रायजोर दल अब महाजोत में शामिल हैं। कांग्रेस ने एजेपी और रायजोर दल दोनों को महाजोत में 11-11 सीट देने की पेशकश की है, पर दोनों दल इससे ज्यादा सीट की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस इन्हें अधिक सीट देती है, तब चुनाव में कांग्रेस को कम सीट पर लड़ना होगा। असम में दूसरे दलों के साथ गठबंधन किए, बगैर भाजपा की अगुआई वाले एनडीए को शिकस्त देना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है।

अरुणाचल के करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा चीन, भारत के लिए खतरे की घंटी

-चीन का यह परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की सेना न्यूक्लियर हथियारों के दम पर डराने के पैंतरे आजमा रही है। दुनिया की नजरों से छुपकर चीन के अंदर एक बहुत बड़ी साजिश चल रही थी, जिसका कच्चा चिट्ठा अब सैटेलाइट तस्वीरों ने खोल दिया है। इन तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि चीन भारत के अरुणाचल प्रदेश के बिल्कुल करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा है। चीन की यह गुस्ताखी न सिर्फ भारत के लिए बल्कि पूरे एशिया की शांति के लिए खतरा बन सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश की सीमा से महज 800 किलोमीटर दूर चीन के सिचुआन प्रांत में परमाणु ताकत का विस्तार चल रहा है, जिसका पर्दाफाश सैटेलाइट तस्वीरों ने किया है। इन फोटोज में चीन का वह गुप्त साम्राज्य दिख रहा है जहां न केवल नए परमाणु हथियार बन रहे हैं बल्कि उन्हें और भी घातक बनाने के लिए परीक्षण किया जा रहा है, जहां रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि खत्म हो चुकी है, दूसरी तरफ चीन का यह बेलगाम परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। सिचुआन की पहाड़ियों में छिपे ये ठिकाने सीधे तौर पर भारत के पूर्वी इलाकों के लिए रेड अलर्ट हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि सिचुआन की घाटियों में दो प्रमुख जगहों पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। जितोंग घाटी में नए बंकर और मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क देखे गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जगह का उपयोग हाई एक्सप्लोसिव टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है, जो परमाणु वारहेड को ट्रिगर करने के लिए जरूरी है। पिंगटोंग घाटी में प्लूटोनियम पिट्स का निर्माण किया जा रहा है, जो परमाणु बम का कोर होते हैं, यहां की सुरक्षा इतनी सख्त है कि यह किसी किले जैसी दिखती है।

बता दें सिचुआन, अरुणाचल प्रदेश से भौगोलिक रूप से सिर्फ 800 किमी दूर है। चीन ने पहले ही अरुणाचल को अपना 'कोर इंटरेस्ट' घोषित कर दिया है। परमाणु शक्ति का विस्तार चीन को सीमा पर एडवांटेज देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन अपने परमाणु जखीरे को इसलिए बढ़ा रहा है ताकि वह अमेरिका और भारत जैसे देशों को अपने परमाणु हथियारों की पोजीशन दिखाकर डराने की स्थिति में ला सके। 2026 की शुरुआत तक चीन के पास 600 से ज्यादा परमाणु वारहेड हो चुके हैं और 2030 तक यह संख्या 1,000 के पार जाने का अनुमान है। ये भारत के लिए खतरे की घंटी है।

सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह में शामिल होने हरि सेवा उदासीन आश्रम पहुंचे राज्यपाल

दुनिया की कोई ताकत सनातन संस्कृति को मिटा नहीं सकती - राज्यपाल बागड़े

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर, भीलवाड़ा के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह के दूसरे दिन राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े हरि सेवा उदासीन आश्रम पहुंचे। राज्यपाल ने यहां श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का श्रवण किया तथा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का अवलोकन किया। आश्रम पहुंचने पर हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन एवं संत-महात्माओं के साथ सनातन सेवा समिति तथा हंसगंगा हरि सेवा भक्त मंडल के पदाधिकारियों व सदस्यों ने राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल बागड़े ने सनातन मंगल महोत्सव को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और समावेशी सोच रखने वाली संस्कृति है। ऐसे आयोजन सनातन परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'दुनिया में कोई ताकत नहीं है जो सनातन संस्कृति के प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति को समाप्त कर सके। इसी श्रद्धा के कारण यह संस्कृति युगों-युगों से सुरक्षित है।' उन्होंने महाभारत और रामायण जैसे ग्रंथों को सनातन संस्कृति के शाश्वत प्रतीक बताते हुए कहा कि आठवीं सदी से लेकर आज तक सनातन संस्कृति को समाप्त करने के अनेक प्रयास हुए, लेकिन आक्रमणकारी कभी सफल नहीं हो सके। गुरुकुलों और विश्वविद्यालयों

को नष्ट करने के प्रयास भी भारत में सनातन चेतना को कमजोर नहीं कर पाए। राज्यपाल ने व्यासपीठ पर विराजित श्रीधाम वृंदावन के कथा व्यास डॉ. श्यामसुन्दर पाराशर का अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ एवं सनातन सिंधु चिन्ह भेंट कर आयोजन के उद्देश्य तथा आठ दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने इस आयोजन को 'एक संगत-एक पंगत' की भावना को सुदृढ़ करने वाला तथा सनातन संस्कृति के विविध स्वरूपों को दर्शाने वाला 'मिनी कुंभ' बताया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज एवं भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल सहित अनेक संत-महात्मा एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। राज्यपाल ने आश्रम से रवाना होने से पूर्व महोत्सव के अंतर्गत चल रहे वैदिक अनुष्ठानों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से आयोजित पंचकुंडीय श्री विष्णु महायज्ञ, अष्टोत्तर शत (108) भागवत मूल पाठ, शतचंडी, अखंड श्रीमद् भगवद्गीता पाठ, श्रीरामचरितमानस पाठ, अखंड रामनाम संकीर्तन स्थल का दर्शन किया। उन्हें बताया गया कि काशी के यज्ञाचार्य कामेश्वरनाथ तिवारी के सानिध्य में यज्ञ संपादन एवं चारों वेदों के मूल पाठ का पारायण हो रहा है।

आयोजकों के अनुसार प्रतिदिन सायं 7 बजे से श्रीधाम वृंदावन के रसिकाचार्य कुंजबिहारी शर्मा के निर्देशन में श्री निकुंज बिहारी रासलीला मंडल द्वारा रासलीला तथा सायं 6 बजे से काशी की तर्ज पर गंगा आरती का आयोजन हो रहा है। सभी धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्णाहुति 25 फरवरी को होगी। 25 फरवरी को भव्य संत दर्शन एवं सनातन शोभायात्रा तथा 26 फरवरी को प्रातः 9 बजे से हरिशेवाधाम परिसर में विशाल पांडाल में दीक्षा दान समारोह एवं संत समागम का मुख्य आयोजन होगा। राज्यपाल बागड़े ने इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया।

शिक्षक निलंबन के बाद महाविद्यालय में संतोष का माहौल

एबीवीपी ने कहा— छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में छात्रा से कथित दुर्व्यवहार के मामले में प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए संबंधित शिक्षक राजेंद्र सिंह यादव को निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद कॉलेज परिसर में छात्रों के बीच संतोष का माहौल देखा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 फरवरी 2026 को शिक्षक पर शराब के नशे में छात्रा के साथ आपत्तिजनक व्यवहार करने का आरोप लगा था। घटना के बाद विद्यार्थियों में रोष व्याप्त हो गया और छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। विद्यार्थियों का कहना था कि इस प्रकार की शिकायतें पूर्व में भी सामने आ चुकी थीं, जिन पर उचित कार्रवाई नहीं होने से असंतोष बढ़ रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने प्रारंभिक जांच के बाद संबंधित शिक्षक को निलंबित कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार

कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री कुणाल सिंह राणावत ने प्रशासन के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम छात्राओं की सुरक्षा और महाविद्यालय की गरिमा बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि परिषद हमेशा छात्र-छात्राओं के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाया जाएगा।

परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि जांच प्रक्रिया पूरी होने तक वे मामले पर नजर बनाए रखेंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और परिसर का शैक्षणिक वातावरण सुरक्षित बना रहे।

अंतरजिला चोर गैंग के मुख्य सरगना सहित तीन गुर्गे चढ़े पुलिस के हत्थे

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले की रायपुर थाना पुलिस ने ट्रेक्टर चोरी गैंग पर शिंकजा कसते हुए मुख्य सरगना सहित 3 शातिर बदमाशो को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है साथ ही आरोपियों के कब्जे से 7 लाख रु का चोरी का ट्रेक्टर भी बरामद कर लिया है । पुलिस के अनुआर गैंग का एक सदस्य स्थानीय निवासी है जिससे वह पैनल रेकी करता फिर अपने साथियों के साथ मिलकर रात के समय चोरी की वारदात को अंजाम देता था और फिर चोरी किए गए वाहन को बाड़े में छुपा दिया करते थे । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले मे चोरी, नकबजनी व लूट की वारदातों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बुद्धराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन में एवं सुदर्शन पालीवाल वृत्ताधिकारी, गंगापुर के सुपरविजन में थाना क्षेत्र रायपुर मे हो रही वाहन चोरियों के खुलासे व अपराधियों की धरपकड हेतु रायपुर थानाप्रभारी शंभू दयाल के नेतृत्व मे टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्यवाही करते हुए ट्रेक्टर, ट्रॉली चोरी करने वाली अंतरजिला गैंग के मुख्य सरगना नाथु सिंह सहित 3 अपराधियों को गिरफ्तार कर चोरी हुआ 7 लाख रूपये की कीमत का ट्रेक्टर व ट्रॉली बरामद किया।

दिनांक 01.01.2026 परिवादी रतनलाल कुमावत निवासी रायपुर थाना रायपुर जिला भीलवाडा ने रिपोर्ट दी ओर बताया कि दिनांक 4.12.2025 की रात्रि को ग्राम रायपुर से परिवादी के बाडे मे खडे किये गये ट्रेक्टर व ट्रॉली को अज्ञात चोर चुरा कर ले गये। उक्त रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर बदमाशो की तलाश शुरू की ओर चोरी के वाहन को बरामद करने का प्रयास शुरू किया ।

टीम ने ऐसे किया भंडाफोड़

टीम ने तकनीकी विधी द्वारा व परम्परागत पुलिसिंग मुखबिर से सूचना लेकर अंतरजिला गैंग के मुख्य सरगना नाथु सिंह सहित 3 अपराधियों को गिरफ्तार कर चोरी हुआ 7 लाख रूपये की कीमत का ट्रेक्टर व ट्रॉली बरामद किया

कबूली अन्य वारदातें

01 ग्राम रायपुर से एक बाड़े से 37 बकरी, बकरे चोरी कर ले जाना

2 ग्राम मेरणिया खेडा से 2 भैंस चोरी कर ले जाना

3 ग्राम बैठुम्बी से 1 भैंस चोरी कर ले जाना।

4 ग्राम बैठुम्बी से 2 भैंस चोरी कर ले जाना

गठित पुलिस टीम

टीम में थानाधिकारी शंभू दयाल, हैड कांस्टेबल भवानी सिंह (विशेष योगदान), कांस्टेबल सुभाष चन्द्र (विशेष योगदान), विनोद कुमार, मुकेश कुमार, सांवरमल, मुकेश कुमार, प्रकाश शामिल थे ।

यह बदमाश हुए गिरफ्तार

1. हरिशंकर पिता देवीलाल गाडरी उम्र 28 साल निवासी बेठुम्बी थाना रेलमगरा जिला राजसमंद

2. रामेश्वर पिता भैरूलाल कुमावत उम्र 32 साल निवासी बेठुम्बी थाना रेलमगरा जिला राजसमंद 3. नाथु सिंह पिता जगदीश सिंह उम्र 38 साल निवासी मण्डोल थाना रायपुर जिला भीलवाडा

खबर का असर

smarthalchal.com
स्मार्ट हलचल
आमजन ने प्रशासन की कार्यवाही को सराहा तो व्यापारियों में रोष

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

स्मार्ट हलचल के 20 फरवरी के अंक में 'नगर निगम इन पर मेहरबां क्यों' शीर्षक नाम से प्रकाशित समाचार के बाद खबर का बड़ा असर, अयोध्या इंटरप्राइजेज का तोडा गया फूटपाथ।

बिजौलिया पुलिस की अपराधियो के खिलाफ बड़ी कार्यवाही, लूट, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट में वांछित फरार अपराधियो को दबोचा, चार को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

बिजौलिया पुलिस ने कई मामलों में वांछित अपराधियो के खिलाफ बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है । एनडीपीएस एक्ट के 2 मामलो में करीब 2 साल से फरार वांछित आरोपी मांगीलाल उर्फ रोहित तंवर को गिरफ्तार किया। पुलिस थाना रायपुर जिला भीलवाडा के लूट के मामले मे करीब 1 साल से फरार वांछित आरोपी परमेश्वर उर्फ परमेश कंजर को डिटने कर थाना रायपुर के सुपुर्द किया। वांछित स्थाई गिरफ्तार वारंटी मनोज उर्फ विनोस कंजर को गिरफ्तार किया। पुलिस थाना बिजौलिया के लूट के मामले का खुलासा कर वारपोई नरेश उर्फ गुंगा कंजर को गिरफ्तार किया। एसपी धर्मेन्द्र सिंह आईपीएस पुलिस अधीक्षक, भीलवाडा द्वारा फरार वांछित आरोपीयो के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु एएसपी पारस जैन मुख्यालय के निर्देशन में और बाबूलाल विश्नोई वृताधिकारी, वृत माण्डलगढ जिला भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में थानाप्रभारी स्वागत पाण्डया के नेतृत्व में गठित टीम ने इस कार्यवाही को अंजाम दिया ।

पुलिस थाना बिजौलिया जिला भीलवाडा के प्रकरण संख्या 123/

24 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में करीब 0 2 साल से फरार वांछित आरोपी मांगीलाल उर्फ रोहित तंवर पिता गोपीलाल उम्र 30 साल निवासी पिपलिया नग्गा मजरा सूरजपुरा थाना रतलाई जिला झालावाड को झालावाड से डिटेन करने के बाद जांच की ओर गिरफ्तार किया आरोपी से पूछताछ जारी है । मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ़तार किया चुका है। वांछित आरोपी मांगीलाल उर्फ रोहित तंवर थाना हाजा के प्रकरण में प्रकरण सख्या 147/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में वाछित था।

टीम द्वारा की गयी दूसरी कार्यवाही

पुलिस थाना बिजौलिया ने गश्त के दौरान के दबिश देकर वांछित आरोपी परमेश उर्फ परमेश्वर उर्फ परमा पिता बाबुलाल उम्र 25 साल जाति कंजर निवासी चिताबडा थाना बिजौलिया जिला भीलवाडा को दस्तयाब किया जो पुलिस थाना रायपुर जिला भीलवाडा के प्रकरण सख्या 29/25 धारा 309(4), बीएनएस व 4/25 आर्म्स एक्ट में वांछित होने से पुलिस थाना रायपुर को सुपुर्द किया। आरोपी परमेश उर्फ परमेश्वर अव्वल दर्जे का चोर व नकबजन है इसके खिलाफ पूर्व में राजस्थान के अलग अलग थानो में कुल 8 मामले दर्ज है।

टीम द्वारा की गयी तीसरी कार्यवाही

पुलिस थाना बिजौलिया ने गश्त के दौरान दबिश देकर माननीय न्यायालय एडीजे कोर्ट न. 3 शिविर माण्डलगढ जिला भीलवाडा के केस नम्बर 159/2015 प्रकरण सख्या 260/2014 धारा 336,323,325,397 भादस में वांछित स्थाई वारंटी मनोज पुत्र राधेश्याम कंजर निवासी चिताबडा थाना बिजौलिया जिला भीलवाडा को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया गया।

टीम द्वारा की गई चौथी कार्यवाही

दिनांक 17.02.2026 को प्रार्थी मदनलाल धाकड निवासी लक्ष्मीखेडा ने बिजौलिया थाने मे रिपोर्ट देकर बताया की दिनांक 5.2.2026 को खेत पर काम रही प्रार्थी की पत्नी को अज्ञात आरोपियों ने डरा धमका कर सोने चांदी के आभुषण लूट लिए पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित टीम का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की ओर आरोपी नरेश उर्फ गुंगा पुत्र रामपाल कंजर उम्र 23 साल निवासी चिताबड़ा पुलिस थाना बिजौलिया जिला भीलवाड़ा को डिटेन कर पुछताछ की जिसने घटना करना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी से गहनता से पूछताछ जारी है ।

गठित पुलिस टीम

बिजौलिया थाना प्रभारी स्वागत पाण्डया, सुनिल बेनिवाल स.उ.नि., कांस्टेबल राजवीर, नरेन्द्र, शिवपाल, मनोज, विश्राम शामिल रहे ।

एनडीपीएस एक्ट में फरार आरोपी गिरफ्तार

घर के अंदर मिला था 25 किलो अवैध डोडा चूरा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

फुलियाकलां पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह, शाहपुरा एएसपी राजेश आर्य के निर्देशन व ओमप्रकाश विश्नोई वृत्ताधिकारी वृत शाहपुरा के सुपरविजन में थानाधिकारी थाना फुलियाकला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

इस घटना में वांछित था आरोपी

दिनांक 12.02.2026 ग्राम रामपुरा(देवरिया खेडा) राजेन्द्र सिंह उनि थाना फूलियाकलां को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम रामपुरा(देवरिया खेडा) में नारायण पिता लादु गुर्जर उम्र 34 साल निवासी रामपुरा(देवरिया खेडा) थाना फूलियाकलां जिला भीलवाडा के मकान में अवैध डोडा चुरा रखा हुआ है, जिस पर राजेन्द्र सिंह उ.नि. मय जाप्ता के नारायण गुर्जर के मकान पर पहुंचे और तलाशी ली तो मकान में नाल के निचे बने स्टोर रूम वालें कमरें से दो प्लास्टिक के कट्टो में अवैध डोडा चुरा भरा हुआ पाया गया जिस पर अवैध डोडा चूरा भरे दोनो प्लास्टिक के कट्टो का वजन किया तो कुल वजन 25 किलो 180 ग्राम होना पाया गया। जिस पर मकान मालिक नारायण गुर्जर द्वारा बिना लाइसेंस व परमिट के अवैध डोडा चूरा अपनें मकान में रखने के मामले में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया कर जांच शुरू की इस बीच आरोपी मौके से फरार हो गया था । जिसकी तलाश कर डिटेन किया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। जिसका न्यायालय से पीसी रिमाण्ड मिला अग्रिम कार्यवाही जारी है ।

हलेड़ में भव्य कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। ग्राम पंचायत हलेड़ में शुक्रवार को आयोजित जल शंकर महादेव की भव्य कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गांव और आसपास के क्षेत्रों से आए महिला-पुरुषों ने पूरे उत्साह व आस्था के साथ यात्रा में भाग लिया।कलश यात्रा का शुभारंभ सुबह 10:15 बजे कालूखेड़ा से हुआ।यात्रा को महंत मोहन शरण जी महाराज (निंबार्क आश्रम) एवं प्रशासक लाड देवी तथा बालू लाल आचार्य ने विधिवत रवाना किया।ढोल-नगाड़ों,भजन-कीर्तन और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच यात्रा पूरे गांव में भ्रमण करती हुई तेजाजी का चौक एवं खाकल देव जी होते हुए अपराह्न 3:00 बजे जल शंकर महादेव धाम पहुंचकर संपन्न हुई।यात्रा मार्ग पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगलगीत गाए, वहीं युवाओं ने अनुशासन व व्यवस्था संभाली।आयोजन ने गांव में धार्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।कलश यात्रा के सफल आयोजन से हलेड़ गांव धर्ममय वातावरण में सराबोर रहा और दिनभर शिवभक्ति की अलौकिक छटा बिखरी रही।

सुवाणा के सूरमाओं ने जीता श्रीबलराम रस्साकशी का महाकुंभ, आटूण को दी मात

संस्कार और शक्ति का संगम माता-पिता बने मुख्य अतिथि, हाथीभाटा महंत के सानिध्य में संपन्न हुई प्रतियोगिता

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के सुवाणा कस्बे मे स्थित मातेश्वरी गौशाला परिसर में आयोजित भगवान श्री बलराम रस्साकशी प्रतियोगिता का रोमांच शुक्रवार को खिताबी मुकाबले के साथ संपन्न हुआ। दूधिया रोशनी में खेले गए इस महाकुंभ के फाइनल में सुवाणा की टीम ने अपने अदम्य साहस और श्जोरश् का लोहा मनवाते हुए आटूण को पराजित कर खिताबी जीत हासिल की। विजेता टीम ने 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार अपने नाम किया। प्रतियोगिता के नॉकआउट दौर में पांसल, सुवाणा, पालड़ी और आटूण की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कड़े संघर्ष के बाद फाइनल की जंग सुवाणा और आटूण के बीच हुई, जिसमें सुवाणा विजेता रही। वहीं, तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में पालड़ी ने अपनी ताकत दिखाते हुए जीत दर्ज की और तृतीय पुरस्कार पर कब्जा जमाया। स्वामी विवेकानंद युवा संस्थान द्वारा

आयोजित इस दंगल में समरसता और संस्कारों की अनूठी झलक देखने को मिली। आयोजन समिति ने किसी राजनेता या विशिष्ट व्यक्ति के बजाय खिलाड़ियों के माता-पिता को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। युवाओं ने अपने माता-पिता के चरण स्पर्श कर जीत का आशीर्वाद लिया, जो पूरे खेल जगत के लिए एक प्रेरक संदेश बन गया। कार्यक्रम हाथीभाटा आश्रम के महंत श्री संत दास जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने की। महाराज ने युवाओं को नशे से दूर रहने और खेलों के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने की सीख दी। प्रतियोगिता के संयोजक रामपाल चौधरी (पांसल) ने बताया कि विजेताओं को कुल 1.72 लाख रुपये के नकद पुरस्कार वितरित किए गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार सुवाणा टीम को 1,00,000 रुपये, द्वितीय आटूण टीम को 51,000 रुपये, तृतीय पालड़ी टीम को 21,000 रुपये मिला। मैदान पर जय बलराम के जयकारों के साथ हजारों की भीड़ ने विजेताओं का उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में ग्रामीणों ने विजेता टीमों का फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इधर आयोजक रामपाल चौधरी ने दो महीने संघर्ष करने वाली आयोजन समिति के सदस्यों को विशिष्ट अतिथि बनाकर मंच पर बुलाकर सम्मानित किया और खुद ने मैच रेफ़री बनकर मैच की शुरुआत कराई। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री सज्जन सुथार ने आयोजक रामपाल चौधरी के माता पिता को भगवान बलराम और रामपाल चौधरी के रस्साकशी का मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा कार्य समिति की बैठक 22 को

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा की कार्य समिति बैठक जिलाध्यक्ष अशोक कुमार बाहेती की अध्यक्षता एवं हुरड़ा तहसील सभा के आतिथ्य में दिनांक 22 फरवरी 2026 को प्रातः 9.00 बजे से ग्राम हुरड़ा के माहेश्वरी भवन में आयोजित होगी। जिसमें भीलवाड़ा जिले के माहेश्वरी सभा के कार्य समिति सदस्य सहित महासभा के श्रृंखला बद्ध संगठन महासभा, प्रदेश सभा, जिला सभा के कार्य समिति सदस्य, समस्त तहसीलों के अध्यक्ष, मंत्री, मनोनीत सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य के साथ ही तहसील सभा हुरड़ा के पदाधिकारी भी भाग लेंगे। बैठक में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा आयोजित जोधपुर महा अधिवेशन के प्रस्ताव, आगामी सत्र के चुनाव, जिले में महासभा की योजनाओं की क्रियान्वित पर प्रस्ताव, समाज में शिक्षा, चिकित्सा व सामाजिक सुरक्षा हेतु नवीन योजनाओं सहित अनेक विषयों पर चर्चा एवं मंथन होगा।

प्लास्टिक की थैलियां के साथ ही कपड़े की थैलियां जप्त करने पर व्यापारी वर्ग ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

नगर पालिका के कर्मचारियों पर लगाया अभद्रता का आरोप

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। नगर पालिका प्रशासन द्वारा कस्बे में सिंगल यूज़ प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध को लेकर मुहिम चलाई जा रही है इसी के अंतर्गत आज कपड़ा व्यापारी वर्ग ने नगर पालिका प्रशासन पर आरोप लगाया कि पालिका द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक की थैलियां के साथ कपड़े की थैलियां भी जप्त की जा रही हैं इस संदर्भ में आज कपड़ा व्यापारियों ने उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौंपा।

व्यापारियों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया की स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्लास्टिक की थेलियों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है जो कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत सराहनीय कदम है इसके परिणामस्वरूप हम व्यापारीगण प्लास्टिक की थेलियों के स्थान पर कपड़े की निर्मित थेलियों का उपयोग कर रहे हैं।

किन्तु नगरपलिका द्वारा प्लास्टिक थेलियों को जब्त करने के साथ-साथ कपड़े की निर्मित थेलियों को भी जब्त किया जा रहा है। साथ ही नगरपालिका के कर्मचारियों द्वारा हम व्यापारियों के साथ अभद्र व्यवहार भी किया जा रहा है। व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है की कपड़े की निर्मित थेलियों को ज़प्त करने तथा इस सम्बन्ध में नगरपालिका को आवश्यक निर्देश प्रदान करने की बात कही जिससे हम व्यापारियों एवं आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मामले को लेकर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगल से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

कृषि उपज मंडी में अव्यवस्थाओं से किसान नाराज

आरक्षित प्लेटफॉर्म पर व्यापारियों का कब्जा

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। कृषि उपज मंडी बिजौलिया में इन दिनों खरीफ की मुख्य फसल मक्का की खरीद जोरों पर है, लेकिन मंडी परिसर में फैली अव्यवस्थाओं के कारण किसान परेशान और नाराज नजर आ रहे हैं। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य साधनों से अपनी उपज लेकर मंडी पहुंच रहे हैं, परंतु उन्हें फसल रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

चांदजी की खेड़ी के किसान नरेश धाकड़ ने बताया कि किसानों के लिए आरक्षित टीन शेड और प्लेटफॉर्म पर व्यापारियों ने कब्जा कर रखा है। व्यापारियों द्वारा खरीदी गई फसल को किसानों के लिए बनाए गए विशाल चबूतरे पर रखा जा रहा है, जिससे किसानों को अपनी उपज खुले में डालनी पड़ रही है। मौसम में बदलाव और बादलों की आवाजाही के कारण किसानों को फसल खराब होने की चिंता सता रही है।

किसानों का आरोप है कि मक्का की खरीद 1400 से 1800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से की जा रही है, लेकिन भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि नियमानुसार फसल विक्रय के अधिकतम तीन दिनों के भीतर बैंक चेक के माध्यम से भुगतान किया जाना चाहिए, जबकि यहां 15 दिन से अधिक समय बाद भुगतान देने की बात कही जा रही है। किसानों ने इसे नियमों के विरुद्ध बताते हुए मंडी प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया है। किसानों का यह भी कहना है कि व्यापारी मनमर्जी से भाव तय कर रहे हैं और भुगतान में देरी कर रहे हैं, जिससे सैकड़ों किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

मंडी प्रशासन का पक्ष

मंडी कर्मचारी रमेश सैन ने बताया कि मंडी में करीब 70 व्यापारी पंजीकृत हैं और पिछले 20 दिनों से मक्का की खरीद जारी है। प्रतिदिन लगभग एक हजार बोरी उपज मंडी में आ रही है। आगे से खरीद कम होने के कारण भुगतान में कुछ देरी हो रही है। उन्होंने माना कि किसानों के लिए आरक्षित प्लेटफॉर्म पर व्यापारियों ने खरीदी गई फसल अस्थायी रूप से रखी है और प्लेटफॉर्म छोटा होने के कारण समस्या उत्पन्न हो रही है। हालांकि उन्होंने दावा किया कि खुले में रखी किसानों की फसल सुरक्षित है। फिलहाल किसानों ने मंडी प्रशासन से व्यवस्था सुधारने, आरक्षित प्लेटफॉर्म खाली करवाने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है।

प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम, सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो होगा जन आंदोलन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शहर के मुख्य बाजार की जर्जर सड़क को लेकर अब राजनीतिक गर्माहट बढ़ने लगी है। नगर कांग्रेस कमेटी शाहपुरा ने प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि सदर बाजार की क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू नहीं किया गया तो नगर में व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा।

नगर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सेन के नेतृत्व में एक सप्ताह पूर्व एडीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में मुख्य मांग सदर बाजार की जर्जर सड़क का तत्काल निर्माण करवाने की थी। इस दौरान तहसीलदार ने पीएचईडी विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर एक सप्ताह में कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया था। हालांकि एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ। इसे लेकर नगर कांग्रेस ने कड़ी नाराजगी जताई है। रमेश सेन ने कहा कि यदि आगामी 24 घंटे के भीतर सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो नगर कांग्रेस व्यापारियों के सहयोग से शाहपुरा बंद करवाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष नमन ओझा, नगर उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा, नगर महामंत्री ओम सिंधी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ओमप्रकाश जाट, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष जयंत जीनगर एवं युवा नेता शाहरुख खान भीमपुरा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निशुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 91 को दिया परामर्श

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद शिविर आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में आज शुभारंभ हुआ जिसमें 25 गांवो के 91 नेत्र रोगियो को परामर्श दिया गया

समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा फेको सर्जन द्वारा नेत्र रोगियों की निशुल्क जांच कर उन सभी जरूरतमंद रोगियों के स्पर्श हॉस्पिटल में 21 फरवरी को ऑपरेशन किए जाएंगे। शिविर में रोगियों को निशुल्क दवाइयां, काले चश्मे व आवास, भोजन की सुविधाए की गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी, सुभाष गर्ग, गणपत जागेटिया, अरुण जागेटिया, रामनारायण सोमानी, छीतरमल लड्ढा, घनश्याम डाड, लादू लाल माली ने सेवाए दी।

फूल जी की खेड़ी से श्यामगढ़ पीडब्ल्यूडी मुख्य सड़क पर गहरे गड्ढ़ों में तब्दील, ग्रामीण परेशान

गांव की मुख्य सड़क गड्डों से भरी, फूल जी की खेड़ी में आवागमन बाधित, ग्रामीणों को दुर्घटना का खतरा

फूल जी की खेड़ी में पीडब्ल्यूडी सड़क 5 साल से जर्जरः गहरे गड्डों से वाहन चालक परेशान, दुर्घटनाओं का खतरा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र में स्थित फूल जी की खेड़ी से श्यामगढ़ टहला सहित गांवों में जाने वाली पीडब्ल्यूडी मुख्य सड़क गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। पीडब्ल्यूडी की सड़क पिछले पांच साल से जर्जर हालत में है। इस क्षतिग्रस्त सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों लोग गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से परेशानी होती है। बरसात के पानी से भरे गड्ढ़े वाशिंदों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। वाहनों की आवाजाही से गड्ढे और भी चौड़े व गहरे बन गए हैं। जिससे रोजाना गुजरने वाले वाहन चालकों और पदयात्रियों की जान जोखिम में डालकर गुजर रहे हैं। जिससे राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालक भी इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहे है। जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। जबकि मार्ग कस्बे के साथ ही फूलजी की खेड़ी, श्यामगढ़, टहला, चैनपुरिया, तथा कस्बे के पदमपुरा, रामथली, खगार जी का खेड़ा, सोपुरा मजरा गोविन्दपुरा, सरिया, सारणा, लाडपुरा और मांडलगढ़ रोड पर जाने का व्यस्ततम मार्ग है। ग्रामवासियों ने प्रशासन से सड़क के तत्काल पुनर्निर्माण की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क के बनने से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और स्थानीय निवासियों व वाहन चालकों को सुगम आवागमन मिल पाएगा। समस्या के कारण सड़कों का निर्माण और रखरखाव में कमी, बारिश के कारण सड़कों का क्षरण, गड्ढ़ों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों की मांग सड़कों की तत्काल मरम्मत, गड्ढ़ों को भरने के लिए विशेष अभियान, सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए। पीडब्ल्यूडी की योजना सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का लक्ष्य, सड़कों के निर्माण और रखरखाव में सुधार, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की विशेष देखभाल होनी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क के इस क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में आवागमन सुचारू और सुरक्षित हो सके।

प्रशासन की लापरवाही से बाजार में कीचड़, आमजन परेशान

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

नगर क्षेत्र के मुख्य बाजार में प्रशासन की लापरवाही और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में बदलाव के दुष्परिणाम अब आमजन और दुकानदारों को भुगतने पड़ रहे हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को रोजाना कीचड़ से होकर गुजरना मजबूरी बन गया है।

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि सड़क पर फैली कीचड़ के कारण आवागमन बेहद कठिन हो गया है। विशेषकर महिलाएं और बच्चियां स्कूटी से फिसलकर गिर चुकी हैं, जिससे चोटिल होने की घटनाएं सामने आई हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से बाजार में आक्रोश का माहौल है।

पूर्व कांग्रेस सेवादल नगर मुख्य संगठक पप्पू पठान ने नगरपालिका प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में बदलाव और लापरवाही के चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र प्रभाव से उचित कार्यवाही कर बाजार क्षेत्र की सफाई व मरम्मत करवाई जाए, ताकि आमजन और दुकानदारों को राहत मिल सके।

व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित करने की रखी मांग

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। राजस्थान विधानसभा में नियम 295 के अंतर्गत महवा विधायक राजेंद्र मीणा ने जांगिड़ ब्राह्मण समाज एवं समस्त शिल्पकार वर्ग के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती (माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी) पर राजकीय अवकाश घोषित किए जाने संबंधी विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत किया। विधायक राजेंद्र मीणा ने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी सृष्टि के दिव्य शिल्पकार माने जाते हैं। प्रदेश एवं देशभर के कारीगर, शिल्पकार, इंजीनियर तथा औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े सभी वर्ग श्रद्धा, हवन एवं उत्सव के साथ उनकी जयंती मनाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न समाजों एवं महापुरुषों की जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित कर जनभावनाओं का सम्मान किया गया है। उसी क्रम में जांगिड़ ब्राह्मण समाज की यह न्यायोचित एवं सम्मानजनक मांग है कि भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती पर भी राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। विधायक मीणा ने अध्यक्ष महोदय के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया कि प्रदेश की जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मांग को स्वीकार कर समाज को सम्मान प्रदान करें। राजेंद्र मीणा ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार सकारात्मक निर्णय लेकर समाज की भावनाओं का सम्मान करेगी।

पावन-चित्तौड़गढ़ स्वच्छता अभियान का भव्य शुभारंभ

10 हजार कपड़े के बैग वितरित, स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प राष्ट्रीय स्वच्छ भारत मिशन एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को नगर परिषद चित्तौड़गढ़ में 'पावन-चित्तौड़गढ़ स्वच्छता अभियान' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सांसद सी.पी. जोशी, जिला कलक्टर आलोक रंजन, एनपीसीएल के यूनिट हेड सहित जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त चित्तौड़गढ़ के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान के तहत राजस्थान परमाणु बिजलीघर (एनपीसीएल) द्वारा उपलब्ध कराए गए 10 हजार कपड़े के बैग नागरिकों को वितरित किए गए। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को जन आंदोलन का स्वरूप देते हुए जिले को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वास्थ्यप्रद बनाना है। इसके सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगर परिषद गार्डन में भव्य लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद सी.पी. जोशी रहे तथा अध्यक्षता जिला कलक्टर आलोक रंजन ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद विनय पाठक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद सी.पी. जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि वे स्वयं अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए आमजन के साथ मिलकर चित्तौड़गढ़ को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से प्रति रविवार स्वच्छता अभियान में भाग लेने तथा कम से कम 10 लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। साथ ही प्लास्टिक थैलियों के स्थान पर कपड़े की थैली या टोकरी के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राकेश कुमार पुरोहित ने अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य एवं क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। सामाजिक सरोकार से जुड़े गौरव त्यागी, अनिल इनानी एवं सुधीर जैन सहित अनेक नागरिकों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग से विशेष शुभारंभ

अभियान का विशेष प्रारंभ ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग से किया जाएगा। दुर्ग क्षेत्र को पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया गया है। साथ ही शहर के प्रत्येक घर तक कपड़े अथवा पुनः उपयोग योग्य थैलियां उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि नागरिक बाजार जाते समय स्वयं की थैली साथ लेकर जाएं और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूर्णतः बंद कर सकें।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए तथा अभियान को वार्ड एवं ग्राम स्तर तक प्रभावी रूप से संचालित करने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा स्वच्छता पर आधारित गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिससे जनजागरूकता का संदेश प्रसारित हुआ।

'म्हारो पावन चित्तौड़' लोगो, टी-शर्ट एवं पेन का विमोचन

इस अवसर पर सांसद सी.पी. जोशी, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम, राजस्थान परमाणु बिजलीघर (एनपीसीएल) के यूनिट हेड डी. सुब्बाराव, नगर परिषद प्रशासक कैलाश गुर्जर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश पुरोहित सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने 'म्हारो पावन चित्तौड़' अभियान के लोगो, टी-शर्ट एवं पेन का विमोचन किया।

कार्यक्रम के समापन पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा चित्तौड़गढ़ को स्वच्छता के क्षेत्र में आदर्श जिला बनाने का संकल्प दोहराया गया।

चंबल परियोजना के कार्मिकों की लापरवाही से हजारों लीटर पानी वेस्ट

स्मार्ट हलचल

बेरा। अजमेर भीलवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंबल परियोजना की लाइन जगह जगह से लीकेज हैं जिससे हजारों लीटर पानी वेस्ट हो रहा है जसवंतपुरा चौराहे के पास पाइप लीकेज होने के कारण 2 दिन से हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है लेकिन कर्मचारियों की अभी तक नींद नहीं खुली जिससे पानी की बर्बादी साफ तौर पर दिख रही है गांव में समय पर पानी उपलब्ध नहीं होता है लेकिन यहां के हालातो पर गौर करे तो जल ही जीवन है कहावत पर बट्टा लगाया जा रहा है । विभागीय उदासीनता जल बरबादी का कारण बन रही है ।

युवा शक्ति के साथ वैश्य समाज को नई दिशा - आईवीएफ युवा भीलवाड़ा की जिला कार्यकारिणी घोषित

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन युवा इकाई, भीलवाड़ा द्वारा संगठन विस्तार के तहत नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। मनीष बम्ब ने बताया कि संभागीय अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल (सांसद) के निर्देशन एवं प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, जिला अध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा, संभागीय युवा अध्यक्ष देवेंद्र कुमार ड़ाणी की सहमति से युवा जिला अध्यक्ष अंकित सोमानी ने कार्यकारिणी का गठन किया। घोषित पदाधिकारियों में जिला महामंत्री हर्षिल नागौरी व राकेश जैन, मुख्य सलाहकार योगेश अग्रवाल व महादेव बाहेती, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हर्ष राठी, जितेंद्र बांठिया, विजय विजयवर्गीय, आशीष शाह (जैन), मनीष सेठी व ऋषभ पोरवाल, कोषाध्यक्ष त्रिदेव मुंदड़ा, जिला मंत्री सचिन काबरा, अंशुल शाह (अग्रवाल), मितेश सोडानी, रवि जैन व योगेश हेड़ा, उपाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, विशाल सेठी, अभिषेक जागेटीया, राजेश सोमानी व पंकज राठी, संगठन मंत्री विकास चौधरी, शंकर ईनानी व मनीष विजयवर्गीय, मीडिया प्रभारी हरिश हिंदुस्थानी (जैन) तथा सोशल मीडिया हैंडलर सुधीर अजमेरा शामिल हैं। इस दौरान रामेश्वर काबरा व कल्पेश चौधरी ने संगठन को तहसील एवं ग्राम स्तर तक सक्रिय करने का आह्वान किया। महिला संभाग अध्यक्ष मधु जाजू ने 'घर-घर सदस्य, हर दिल में अभिमान - वैश्य एकता हमारी पहचान' का नारा देते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। संगठन ने 'संगठित वैश्य समाज सशक्त समाज का निर्माण के संकल्प को दोहराया।

अलीगढ़ ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता की विशेष मुहिम-सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई

- विशेष स्वच्छता टीम द्वारा गली-मोहल्लों, सार्वजनिक चौराहों व सड़कों से सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियां व डिस्पोजल कप कट्टों में भरकर किए संग्रहित-लोगों को किया जागरूक

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। जिले की उनियारा पंचायत समिति मुख्यालय अलीगढ़ क्षेत्र अंतर्गत अलीगढ़ ग्राम पंचायत सरपंच प्रशासक सबिया बी तथा ग्राम विकास अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार नायक सहित वार्ड पंचों की पहल पर शुक्रवार को बीते दो दिनों से लगातार स्वच्छ भारत मिशन के तहत कस्बे में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

ग्राम पंचायत प्रशासन अलीगढ़ की ओर से गठित स्वच्छता टीम ने शुक्रवार को कस्बे के प्रत्येक वार्ड, सार्वजनिक चौराहों, गली-मोहल्लों और बाजार क्षेत्र में पहुंचकर सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियों, पन्नियों तथा चाय की होटलों एवं दुकानों के बाहर सड़क पर फेंके गए डिस्पोजल कप व गिलासों को इकट्ठा किया। टीम ने जगह-जगह बिखरे प्लास्टिक कचरे को कट्टों में भरकर संग्रहित किया। अभियान के दौरान ग्राम पंचायत प्रशासन ने दुकानदारों और मोहल्ला वासियों से संवाद कर समझाइश दी कि आम रास्तों, गलियों और सड़कों पर कचरा न फैलाएं। घरों और दुकानों का कचरा कूड़ेदान में ही डालें तथा कचरा संग्रहण वाहिनी के आने पर ही कचरा सौंपें। स्वच्छता टीम द्वारा प्लास्टिक कचरा हटाने के बाद गली-मोहल्ले और सड़कें एकदम साफ-सुथरी नजर आईं। ग्राम पंचायत की इस पहल की कस्बे वासियों ने सराहना करते हुए सरपंच प्रशासक सबिया बी, ग्राम विकास अधिकारी धर्मेंद्र कुमार नायक एवं वार्ड पंचों का आभार जताया। ग्राम पंचायत अलीगढ़ की सरपंच प्रशासक सबिया बी एवं ग्राम विकास अधिकारी धर्मेंद्र कुमार नायक ने सार्वजनिक चौराहों पर बैठे राहगीरों, ग्रामीणों और दुकानदारों को जागरूक करते हुए कहा कि कचरे को निर्धारित कचरा पात्र में ही डालें, ताकि गंदगी न फैले और मौसमी बीमारियों का संक्रमण रोका जा सके। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक खाने से गोवंश पशुओं में गंभीर बीमारियां फैलती हैं, इसलिए प्लास्टिक उपयोग से बचना आवश्यक है। ग्राम पंचायत प्रशासन अलीगढ़ द्वारा कस्बा क्षेत्र के दुकानदारों एवं ग्रामवासियों को चेतावनी भी दी गई कि शीघ्र ही स्वच्छता समिति द्वारा बाजार का निरीक्षण किया जाएगा। जिन दुकानों पर कचरा पात्र नहीं मिलेगा, उन पर पेनल्टी लगाई जाएगी। दुकानदारों को अपनी दुकानों पर कचरा पात्र रखने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में पंचायत समिति उनियारा मुख्यालय अलीगढ़ के खंड विकास अधिकारी शंकर लाल मेघवाल ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत पंचायत समिति परिसर सहित आसपास की साफ-सफाई करवाई गई तथा अधीनस्थ कार्मिकों ने भी सहयोग किया। उन्होंने पंचायत समिति क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया कि वे अलीगढ़ ग्राम पंचायत की तर्ज पर सिंगल यूज प्लास्टिक थैलियों, डिस्पोजल कप व गिलासों का संग्रहण कर ग्रामीणों को प्रेरित करें। समझाईश के बाद भी नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य आवारा गोवंश को प्लास्टिक से बचाना और मानव जीवन को संक्रमित बीमारियों से सुरक्षित रखना है। ग्राम पंचायत की इस पहल से पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और स्वच्छता की दिशा में सकारात्मक संदेश गया है।

रेलवे स्टेशन पर नो-पार्किंग में खड़े 65 वाहनों पर कार्रवाई

यात्रियों की सुरक्षा व आपातकालीन आवागमन सुनिश्चित करने हेतु आरपीएफ का विशेष अभियान

स्मार्ट हलचल | कोटा

यात्रियों की सुरक्षा, स्टेशन परिसर में सुचारु यातायात व्यवस्था तथा आपातकालीन सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल द्वारा सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन परिसर में नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत वर्ष 2026 में अब तक नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े पाए जाने वाले 65 वाहन चालकों के विरुद्ध रेल अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा चुकी है। संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध चालान एवं अन्य विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। रेलवे सुरक्षा बल ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

रेलवे सुरक्षा बल ने आमजन एवं यात्रियों से अपील की है कि वे रेलवे स्टेशन आने पर अपने वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें। नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने से न केवल यातायात व्यवस्था बाधित होती है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं की सुगमता भी प्रभावित होती है।

स्टेशन परिसर में अनुशासन एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे उल्लंघनों के विरुद्ध सख्त एवं निरंतर कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालकों से अपेक्षा की गई है कि वे नियमों का पालन करते हुए रेलवे प्रशासन का सहयोग करें।

उदयपुर में नागरिक सुरक्षा मास्टर ट्रेनिंग पर उठे सवाल, 360 चयन सूची में अनियमितता के आरोप

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

जिले में चल रही नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मास्टर ट्रेनिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। 360 मास्टर ट्रेनरों की चयन सूची में अनियमितता के आरोप लगाते हुए स्वयंसेवकों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार 8 फरवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक 31 दिवसीय सेवा एवं बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण का समापन 17 फरवरी को किया गया। इसके बाद 19 फरवरी 2026 से 7 दिवसीय नागरिक सुरक्षा मास्टर ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें पुराने स्वयंसेवकों और वार्डनों को शामिल किया जाना था।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि 360 मास्टर ट्रेनरों की सूची पहले से ही तैयार कर ली गई थी। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और कुछ कर्मचारियों ने अपने चहेते लोगों को शामिल करने के उद्देश्य से सूची तैयार की। इससे योग्य और मेहनती स्वयंसेवकों को मौका नहीं मिल पाया।

ज्ञापन में कहा गया है कि कई ऐसे प्रशिक्षणार्थी, जिन्होंने बुनियादी प्रशिक्षण में बेहतर प्रदर्शन किया और एचसीसी स्काउट सहित अन्य प्रमाणपत्र प्राप्त किए, उन्हें चयन सूची में स्थान नहीं दिया गया। वहीं, कथित रूप से कम योग्य लोगों को सूची में शामिल कर लिया गया।

स्वयंसेवकों का यह भी कहना है कि जब उन्होंने चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी लेनी चाही तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। कुछ को ड्यूटी से हटाने और नोटिस देने की चेतावनी भी दी गई, जिससे स्वयंसेवकों में नाराजगी फैल गई।

शिकायत में मांग की गई है कि 360 मास्टर ट्रेनरों की सूची पर तत्काल रोक लगाई जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। साथ ही पात्र और योग्य अभ्यर्थियों को मौका देते हुए चयन प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से दोबारा आयोजित किया जाए। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि जांच के आदेश जारी होते हैं तो नागरिक सुरक्षा मास्टर ट्रेनिंग की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सूरौठ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 10 साल से फरार 25 हजार के इनामी डकैत को दबोचा

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

पुलिस महानिदेशक की ओर से संगठित अपराधियों, माफियाओं और हार्डकोर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन शिकंजा' अभियान के तहत सूरौठ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल के निर्देशन में सूरौठ पुलिस ने 10 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी दीवान गुर्जर को धौलपुर के बीहड़ जंगलों से गिरफ्तार कर लिया है।

करौली एसपी लोकेश सोनवाल ने शुक्रवार की सांय सूरौठ थाने में की गई पत्रकार वार्ता में बताया कि आरोपी दीवान पुत्र मुंशी गुर्जर, निवासी बरेड थाना सदर बाडी जिला धौलपुर कुख्यात डकैत जगदीश गुर्जर गैंग का सक्रिय सदस्य है। यह शातिर अपराधी पिछले एक दशक से पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिण्डौन सिटी के सुपरविजन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी संसाधनों और सटीक मुखबिरी के आधार पर धौलपुर के बीहड़ जंगलों में लगातार पीछा कर इसे दबोच लिया। यह कार्रवाई साल 2016 में सूरौठ कस्बे में हुई एक सनसनीखेज वारदात से जुडी हुई है। 28 अगस्त 2016 की रात करीब 1:00 बजे सूरौठ निवासी कृष्णा सोनी के घर में हथियारबंद नकाबपोश बदमाश घुस आए थे। बदमाशों ने परिवार को जान से मारने की धमकी देकर तिजोरी की चाबी मांगी और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। अपराधी वहां से 4 तोला सोना और नकदी लूटकर फरार हो गए थे। इस संबंध में थाना सूरौठ में आईपीसी की धारा 458, 380 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में सूरौठ पुलिस सात जनों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि दीवान गुर्जर 10 साल से फरार चल रहा था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इस महत्वपूर्ण सफलता में थानाधिकारी सोहन सिंह गुर्जर के नेतृत्व वाली टीम का विशेष योगदान रहा। टीम में सहायक उप-निरीक्षक विष्णु कुमार, कांस्टेबल योगेंद्र सिंह और देशराज शामिल थे। अब दीवान को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी सोनवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दीवान, कुख्यात डकैत जगदीश गुर्जर की गैंग का सक्रिय सदस्य है। इस गैंग का क्षेत्र में काफी खौफ रहा है। गिरोह के मुखिया जगदीश गुर्जर के खिलाफ राजस्थान एवं उतर प्रदेश के विभिन्न थानों में डकैती, नकदी लूट, नकबजनी सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

अपात्र लाभार्थियों को 28 फरवरी, 2026 तक अन्तिम मौका

उसके बाद गिवअप नहीं करने वालों के विरूद्ध होगी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा प्रारंभ किया गया 'गिव अप अभियान' रोज नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भीलवाड़ा जिले ने इस अभियान में अव्वल रहते हुए आज तक 250790 लोगों से 'गिव अप' करवाकर ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है। ईकेवाईसी के माध्यम से 75453 लोग भी एनएफएसए योजना से हटे हैं। इस प्रकार कुल 326243 अपात्र लोगों को एनएफएसए योजना से हटाया गया।

इन अपात्र लोगो के हटने से 271546 पात्र किन्तु वंचित लोगों को एनएफएसए योजना में जोड़ने में जिले को सफलता मिली है। एक ओर जहां एनएफएसए योजना से हटाये लोगों पर वहन होने वाली खाद्य, गैस, बीमा, चिकित्सा सब्सिडी से बचत होगी वहीं दूसरी ओर नये एनएफएसए लाभार्थियों को इन चार योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

'गिव अप' योजना के तहत चार पहिया वाहन मालिकों, सरकारी कार्मिकों, आयकर दाताओं तथा 01 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों ने एनएफएसए लाभ का त्याग कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है। 'गिवअप' अभियान ने समाज में जागृति पैदा की है एवं लोग भारी संख्या में ऑनलाईन एवं ऑफलाईन 'गिव अप' कर सामाजिक कर्त्तव्य का निर्वहन कर मिसाल कायम कर रहे हैं। इस अभियान में समाज के हर वर्ग के लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं सोशल, प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

वर्तमान में यह योजना 28 फरवरी 2026 तक के लिए है। 28 फरवरी 2026 तक स्वेच्छा से गिव अप नहीं करने वाले अपात्र लाभार्थियों से 01 मार्च 2026 से 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेहूँ की दर से खाद्यान्न वसूली की जायेगी।

सेवापूर्व शिक्षकों के लिए डाइट उदयपुर में टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् , उदयपुर एवं स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आज शुक्रवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट उदयपुर में सेवा-पूर्व शिक्षकों के लिए टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन में किया गया।

पीएसटीई प्रभागाध्यक्ष डॉ अंजली कोठारी के अनुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट उदयपुर में आयोजित इस पहल का उद्देश्य सेवा-पूर्व शिक्षकों में नवाचार, रचनात्मकता तथा स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाना है।

इस प्रतियोगिता में डाइट उदयपुर के डी.एल.एड. प्रथम वर्ष के कुल 32 सेवा-पूर्व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर नवाचारी एवं उपयोगी टीएलएम प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का आकलन डॉ अंजली कोठारी एवं श्रीमती सोनिका द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों के टीएलएम का मूल्यांकन उनकी शैक्षणिक उपयोगिता, नवाचार, रचनात्मकता एवं स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग के आधार पर किया।

इस प्रतियोगिता में डाइट उदयपुर के सेवा-पूर्व शिक्षक संजय पटेल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान दिपीका कुंवर, तृतीय स्थान सोनल मीणा ने प्राप्त किया।

प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह प्रतियोगिता सेवा-पूर्व शिक्षकों में नवाचारी शिक्षण दृष्टिकोण विकसित करने तथा राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट प्रिंसीपल शीला काहाल्या ने की जबकि एडइंडिया फाउंडेशन से आकांक्षा पांडे मुख्य अतिथि एवं डाइट अधिकारी सत्यप्रिय विशिष्ट अतिथि थे।संचालन सुनील विश्नोई ने किया।

श्री खाटू श्याम बाबा के फाग महोत्सव के उपलक्ष में छप्पन भोग व फाग उत्सव मनाया जाएगा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। श्री श्याम परिवार द्वारा कस्बे में 21 फ़रवरी शनिवार शाम को श्री खाटू श्याम बाबा के फाग महोत्सव के उपलक्ष में श्याम सरकार निवास स्थान पर बाबा खाटू श्याम जी का फाग उत्सव मनाया जाएगा। शाम 7.15 बजे शुरूआत भजन संध्या और छप्पन भोग का आयोजन होगा। उत्सव को लेकर पांडाल में पुष्प सज्जा कर आकर्षक सजाया जाएगा। लोकेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बाबा खाटू श्यामजी का विशेष झांकी सजाई जाएगा। जिसमें भक्त बाबा को रंग-गुलाल अर्पित करेंगे और आपस में भी गुलाल लगाकर खुशियां मनाएंगे। भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन गायक अभि अनुज पारीक राहुल जादम भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके पश्चात सायं 10.15 बजे छप्पन भोग की झांकी सजा और महाआरती कर छप्पन भोग, प्रसाद वितरण किया जाएगा। फाग उत्सव को भव्य और यादगार बनाने के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प दिया।

'होमस्टे इकाइयों के संचालन में बड़ा बदलाव'

'अब 8 कमरे व 24 बिस्तरों तक की अनुमति'

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पर्यटन विभाग ने अधिसूचित राजस्थान होमस्टे (पेइंग गेस्ट हाउस) योजना, 2026 के अंतर्गत होमस्टे इकाइयों के संचालन से संबंधित प्रावधानों में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों से राज्य में आवास सुविधाओं का विस्तार होने के साथ पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय उदयपुर की संयुक्त निदेशक ने बताया कि पूर्व में लागू प्रावधानों के तहत शुद्ध आवासीय इकाई में संचालित होमस्टे या पेइंग गेस्ट हाउस में अधिकतम 5 कमरों की अनुमति थी। संशोधित व्यवस्था के तहत अब यह सीमा बढ़ाकर अधिकतम 8 कमरे कर दी गई है। इसी प्रकार पूर्व में निर्धारित बिस्तरों की संख्या में भी वृद्धि करते हुए अब प्रति इकाई अधिकतम 24 बिस्तरों तक की अनुमति प्रदान की गई है, जिससे आवास क्षमता में उल्लेखनीय विस्तार संभव होगा।

पूर्व व्यवस्था के अनुसार यह अनिवार्य था कि होमस्टे या पेइंग गेस्ट हाउस इकाई का संचालन संपत्ति स्वामी या उसके परिवार के सदस्य द्वारा उसी आवास में निवास करते हुए किया जाए। संशोधित प्रावधानों में इस शर्त को लचीला बनाया गया है। अब यदि संपत्ति स्वामी स्वयं उस आवास में निवास नहीं करता है, तो वह संचालन के लिए एक केयरटेकर नियुक्त कर सकेगा। नियुक्त केयरटेकर योजना में निर्धारित नियमों व मानकों के अनुरूप इकाई के संचालन के लिए उत्तरदायी होगा।

पर्यटन विभाग के अनुसार इन संशोधनों से योजना अधिक व्यवहारिक, लचीली और संचालन की दृष्टि से सरल बनेगी। इससे राज्य में गुणवत्तापूर्ण आवास सुविधाओं का विस्तार होगा तथा पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सकेगा। अधिक जानकारी के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

ग्राम पंचायत कुल्ली में विकास कार्यों की शिकायत पर पहुंची जांच टीम

तहसील दिवस पर की गई शिकायत के 21 बिंदुओं की हुई जांच, अभिलेखों की पड़ताल

स्मार्ट हलचल|खखरेरू/फतेहपुर

विजयीपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुल्ली में कराए गए विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं की शिकायत पर जनपद स्तरीय तीन सदस्यीय जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

ग्राम निवासी शिकायतकर्ता नरसिंह पुत्र धनराज नारायण सहित अन्य ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान बबली देवी पर आरोप लगाया था कि ग्राम सभा में कराए गए विकास कार्यों में सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। इस संबंध में तहसील दिवस पर लिखित शिकायत दी गई थी, जिसमें 21 बिंदुओं पर अनियमितताओं का उल्लेख किया गया था।

शिकायत के आधार पर जनपद से गठित तीन सदस्यीय टीम ग्राम पंचायत कुल्ली पहुंची और संबंधित अभिलेखों की जांच शुरू की। जांच के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा ग्राम सभा की कार्ययोजना से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराए गए, जिनकी टीम ने सचिव कुल्ली की उपस्थिति में जांच की।

जांच अधिकारी शरद विक्रम (सहकारिता विभाग) ने बताया कि शिकायत में विकास कार्यों के फर्जी भुगतान का आरोप लगाया गया था। प्राथमिक जांच में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पड़ताल की गई है। उन्होंने बताया कि कार्य योजना को लेकर शिकायत की गई थी, उनमें से कार्य नहीं किया गया न हीं भुगतान किया गया अभिलेखों की भी जांच की जा रही है। रीबोर (नलकूप पुनर्भरण) के संबंध में उन्होंने कहा कि पुराना रीबोर मौके पर नहीं मिला है, जिसकी पुष्टि जांच के बाद की जाएगी। जांच से संबंधित तथ्यों की सत्यापित प्रति शीघ्र ही शिकायतकर्ता को उपलब्ध करा दी जाएगी।

वेद विद्यालय में दीक्षांत समारोह संपन्न

स्मार्ट हलचल

आकोला। श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान बरूंदनी में सप्तम (अंतिम)वर्ष के सभी छात्रों का (दीक्षांत)समावर्तन संस्कार वैदिक विधि विधान पूर्वक संपन्न हुआ प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र जोशी ने समावर्तन संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालकर बताया कि समावर्तन संस्कार हिन्दू धर्म के 16 संस्कारों में से 12वां (कुछ मान्यताओं में 14वां) महत्वपूर्ण संस्कार है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'घर वापस लौटना '। प्राचीन काल में, गुरुकुल में शिक्षा पूरी होने के बाद ब्रह्मचारी का गुरु के आश्रम से अपने घर लौटते समय यह विदाई समारोह किया जाता था, जो आज के दीक्षांत समारोह जैसा है। मुरलीधर पंचोली ने कार्यक्रम की अनुशंसा की इस कार्यक्रम में कर्मकांड विद्वान रतनलाल चास्टा ने कार्य को विधिपूर्वक संपन्न करवाया साथ ही हरि शंकर उदय लाल उमाकांत हरीश कुमार की सभी अन्य वैदिक विद्वान उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय मीणा महासभा में नई नियुक्ति, एडवोकेट राजेश मीणा बने अध्यक्ष

विधि प्रकोष्ठ; संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल| जयपुर

मीणा समाज के सामाजिक एवं संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में राष्ट्रीय मीणा महासभा द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नई नियुक्ति की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि प्रकाश पवड़ी द्वारा जारी आदेश के अनुसार एडवोकेट राजेश मीणा को राष्ट्रीय मीणा महासभा का अध्यक्ष - विधि प्रकोष्ठ नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद समाज और संगठन से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

जारी नियुक्ति पत्र में उल्लेख किया गया है कि संगठन के संविधान में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया गया है। नव-नियुक्त पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे महासभा के नियमों एवं सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन की गतिविधियों को गति दें, समाज के हितों की रक्षा करें तथा मीणा समाज को विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

विधिक मामलों में संगठन को मिलेगा मजबूत नेतृत्व

संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार एडवोकेट राजेश मीणा के विधिक अनुभव से महासभा को विशेष लाभ मिलेगा। समाज से जुड़े कानूनी मुद्दों, सामाजिक अधिकारों और न्यायिक मामलों में मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ संगठन के कार्यों को कानूनी रूप से सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका अहम रहेगी।

समाजहित और संगठन विस्तार पर रहेगा फोकस

महासभा की ओर से कहा गया है कि नई नियुक्तियों के माध्यम से संगठन का विस्तार और सक्रियता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में एडवोकेट राजेश मीणा को समाज के युवाओं को जोड़ने, कानूनी जागरूकता बढ़ाने और सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पदाधिकारियों और समाजजन ने दी शुभकामनाएं

नियुक्ति के बाद संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने एडवोकेट राजेश मीणा को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में विधि प्रकोष्ठ नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने और संगठन को नई दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण साबित होगी।

सिंगोली चारभुजा में तुलसी विवाह सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

आकोला। सिंगोली श्याम धार्मिक तीर्थ स्थल पर सालिगग्राम जी भगवान की (बारात) शोभा यात्रा निकाली । मंदिर प्रबंधक अर्जुन सिंह सोलंकी ने बताया कि पुजारी परिवार गोविंद पाराशर, अनिल पाराशर, अखिलेश पाराशर ने शालिगग्राम भगवान को दूल्हे के रूप में सजा बेवाण में विराजित कर लक्ष्मीनाथ भगवान व सिंगोली श्याम के बेवाण बारात में शामिल होकर गाजे-बाजे के साथ कस्बे में शोभायात्रा निकालते हुए रतनलाल ,चांदमल ,जगदश चंद्र ,राजेंद्र कुमार ,मनोज कुमार स्वर्णकार के आवास पर तुलसी विवाह करने पहुंचे । शोभा यात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा श्रद्धालु नाचते गाते थिरकते हुए बारात में चारभुजा नाथ का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। स्वर्णकार परिवार द्वारा पुष्प वर्षा व पगबरना बिछाकर बारात का स्वागत किया । तोरण की रश्म के बाद स्वर्णकार परिवार द्वारा जोड़े बैठकर विद्वान पंडितों के वेद मंत्रो से तुलसी विवाह किया गया । इस अवसर पर मंदिर भंडारी सुरेंद्र पराशर, पंचायत प्रशासक राकेश कुमार आर्य, राजेंद्र कुमारओझा, शांतिलाल पाराशर, शंभू सिंह गहलोत, दिनेश कुमार सोनी, लोकेश कुमार सोनी , हरिशंकर पाराशर, प्रहलाद राय पाराशर, सहीत सिंगोली श्याम मित्र मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

जिला माहेश्वरी महिला संगठन में सर्वसम्मति से हुआ नेतृत्व चयन

भारती बाहेती अध्यक्ष, निशा काकाणी सचिव सर्वसम्मति से निर्विरोध हुए निवार्चित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के निर्देशानुसार दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक महिला मंडल के सानिध्य तथा शास्त्री नगर माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में आजाद नगर माहेश्वरी भवन में भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी महिला संगठन की चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्विरोध सम्पन्न हुई। जिलाध्यक्ष प्रीति लोहिया ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनाव पर्यवेक्षक आशा मंडोवरा तथा चुनाव अधिकारी चंदा नामधर के मार्गदर्शन में संपन्न कराई गई। चयन प्रक्रिया की शुरुआत अतिथियों के द्वीप प्रज्वलन और प्रतीक्षा मेलाना की महेश वंदना से हुई। मंच संचालन मोना डाड द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रीति लोहिया ने अपने उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत सुंदर पंक्तियों से किया। उपस्थित सभी अतिथियों का उपरना पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। आयोजक संस्था शास्त्री नगर माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष मधु समदानी ने भी स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष पद के लिए भारती बाहेती, सचिव पद के लिए निशा काकाणी को सर्वसम्मति से चयनित किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे अगले तीन वर्षों तक समाज को और अधिक संगठित और सक्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा, मनोरमा कालिया, संध्या आगीवाल, अंकिता राठी, वंदना बाल्दी, सहित जिला महिला मंडल सदस्याएँ उपस्थित रहीं। सचिव रेखा धूत ने सभी का आभार व्यक्त किया। चुनाव प्रक्रिया सौहार्द, एकता और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिससे संगठन के आगामी कार्यकाल के प्रति नई ऊर्जा और सकारात्मक संदेश देखने को मिला। इस अवसर पर सुनीता मनियार, सुमन सोनी, सोनल माहेश्वरी, वीणा मोदी, आशा पटवारी, कांता सोमानी, स्नेहा अजमेरा, राधा न्याति, विजय लक्ष्मी समदानी, विनीता तापड़िया, राज राठी, प्रफुला राठी, सुनीता बल्दवा, राखी राठी एवं सभी तहसीलों की बहनें उपस्थित रही।

मेड़ता रोड में रेलवे फाटक सी-99 ए एक घंटे बंद रहने से वाहन चालक परेशान

वाहनों की लगी लंबी कतारें, आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। शहर के बाइपास रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे फाटक संख्या सी-99 ए शुक्रवार को करीब एक घंटे तक बंद रहने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। अचानक लंबे समय तक फाटक बंद रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज धूप और उमस के बीच लोग अपने वाहनों में बैठे फाटक खुलने का इंतजार करते रहे, जिसके कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फाटक बंद रहने का कारण लोको पायलट और गार्ड के बक्से बदलने की प्रक्रिया रही। बताया जा रहा है कि ट्रेन के ठहराव के दौरान यह तकनीकी प्रक्रिया पूरी की गई, लेकिन इस दौरान रेलवे फाटक को लंबे समय तक बंद रखा गया। परिणामस्वरूप, सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहन दोनों ओर फंस गए। कुछ वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों की तलाश में कच्चे मार्गों से निकलते दिखाई दिए, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रही।

स्कूल बसें और मरीज भी फंसे

फाटक बंद रहने से सबसे अधिक परेशानी स्कूल से आने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और मरीजों को हुई। कुछ स्कूल बसें भी जाम में फंस गईं, जिससे बच्चे समय पर घर नहीं पहुंच सके। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि एक-दो निजी वाहन मरीजों को अस्पताल ले जाने के लिए भी जाम में फंसे रहे। हालांकि कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई, लेकिन स्थिति चिंताजनक बनी रही।

ग्रामीणों में रोष, उठी वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

स्थानीय ग्रामीणों और व्यापारियों ने रेलवे प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। उनका कहना है कि लोको पायलट व गार्ड के बक्से बदलने का कार्य रेलवे फाटक पर करने के बजाय स्टेशन परिसर के भीतर या किसी अन्य निर्धारित स्थान पर किया जाना चाहिए। फाटक लंबे समय तक बंद रखने से आमजन को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने कहा कि यह मार्ग शहर और आसपास के गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। ऐसे में यदि फाटक एक घंटे तक बंद रहता है, तो दैनिक जीवन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा बनी तो वे रेलवे प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

आपातकालीन स्थिति में बढ़ सकता है खतरा

स्थानीय नागरिकों ने यह भी चिंता जताई कि यदि इस दौरान कोई गंभीर आपातकालीन स्थिति उत्पन्न हो जाती, जैसे एंबुलेंस को अस्पताल पहुंचना हो या किसी गर्भवती महिला को तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो, तो बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। लंबे समय तक फाटक बंद रहने से जान-माल का जोखिम भी बढ़ जाता है।रेलवे प्रशासन से समाधान की अपेक्षा घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी तकनीकी प्रक्रियाओं के दौरान फाटक को अधिक समय तक बंद न रखा जाए। यदि आवश्यक हो तो ट्रैफिक प्रबंधन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए या पहले से सूचना जारी की जाए, ताकि आमजन को असुविधा न हो।फिलहाल इस मामले में रेलवे की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेकर शीघ्र समाधान करेगा।

डेयरी पर फायरिंग के 25000 रूपये के ईनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल|बानसूर

सर्किल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फायरिंग की घटना में चार माह से फरार चल रहें 25000 रूपये के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीएसपी मेघा गोयल ने बताया कि आरोपी ने 17 अक्तूबर को अपने साथियों के साथ मिलकर घासीनगर में एक दूध डेयरी पर फायरिंग की घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हों गया था,मामलें में पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी भूपेंद्र सिंह निवासी इंद्राडा को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध हथियार और बाइक भी बरामद की हैं। पुलिस फिलहाल आरोपी सें पूछताछ कर रही हैं।कार्रवाई के दौरान कांस्टेबल गोपेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

लंबे जाम का पर्याय बना कानपुर, सागर हाईवे पर 30 किलोमीटर तक 12 घंटे जाम

स्मार्ट हलचल

कानपुर। पुलिस प्रशासन के लाभ प्रयासों के बावजूद भीयहां जाम की समस्याहाल होने का नाम नहीं ले रही है। मतलब ऐसा कोई दिन खाली नहीं जाता जिस दिन किसी न किसी मार्ग पर घंटों जाम ना लगता हो।इसी जाम की वजह से पूर्व में अस्पताल पहुंचने के पहले ही मरीजों की मौत भी हो चुकी है।

घंटों जाम की इस समस्या से कानपुर सागर हाईवे से गुजरने वाले लोगों को भी जूझना पड़ा। यहां पर 12 घंटे से भी ज्यादा समय तक 30 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। इस भीषण जाम में एंबुलेंस और स्कूली वाहन भी घंटों फंसे रहे।

घंटों जाम लगने की यह नौबत तब आई जब बिधनू थाना क्षेत्र के रमईपुर चौराहे के पास देर रात दो ट्रक खराब हो गए। जिसके बाद से जाम लग गया। पुलिस के मुताबिक रात होने के कारण कुछ वाहन चालक सो गए। जिसके कारण हाईवे पर वाहनों की कतारें लगातार बढ़ती चली गईं। सुबह होते-होते यह जाम करीब 30

किलोमीटर लंबा हो गया। जिससे हजारों वाहन चालक और यात्री घंटों तक फंसे रहे। इनमें से कई मरीज भी फंसे हुए बताए गए।

पुलिस के मुताबिक समाचार लिखे जाने तक खुलवाने में काफी हद तक सफलता मिल चुकी है। अगर उन क्षेत्रों में जाम की समस्या की बात करें टाट मिल ,रामादेवी चौराहा रावतपुर ,विजयनगर ,फजलगंज नौबस्ता यशोदा नगर में भी लोग जाम की समस्या से जूझते रहते हैं। कई जगह बनाए गये ट्रैफिक के कट भी जाम का कारण बनने से नहीं चुकते। कुल मिलाकर महानगर को लाख प्रयासों के बाद भी जाम की समस्या से पूर्ण रूप से निजात अभी तक नहीं मिल पाई है।

पुलिस की अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 2 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल|बानसूर

हरसौरा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी जनमेजाराम ने बताया कि पुलिस को देवसन स्टैंड पर कुछ संदिग्ध युवकों के हथियारों के साथ खड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी छोड़कर खेतों की ओर भाग निकले। पुलिस ने पीछा कर बाबरिया बांध के पास से दो आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी में एक देसी कट्टा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित जाट उर्फ गोलू निवासी नांगल जमालपुर, जिला रेवाड़ी और विकास गुर्जर निवासी गुवाडा के रूप में हुई है। पुलिस ने अवैध हथियार और वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी जब्त कर ली है। मामले में तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस हथियारों की सप्लाई और आपराधिक गतिविधियों को लेकर गहन जांच कर रही हैं।

विभागों की खींचतान में उजड़ी 3.17 करोड़ की सड़क, बाजार में धूल और अव्यवस्था से जनता परेशान

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। सरकारी विभागों के बीच तालमेल के अभाव का एक बड़ा उदाहरण कस्बे के मुख्य बाजार में सामने आया है, जहाँ जलदाय विभाग की ओर से पाइप लाइन बिछाने के नाम पर स्टेट हाईवे-52 की हाल ही में बनी सड़क को जगह-जगह से उखाड़ दिया गया है। यह सड़क वर्ष 2020-21 में एनसीआर पीबी खंड द्वारा करीब 3 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई थी। निर्माण के दौरान 7 मीटर चौड़ी सीसी रोड बनाई गई थी तथा शेष हिस्से में टाइल वर्क कराया गया था, लेकिन अब करीब एक किलोमीटर तक सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है और मलबे में तब्दील नजर आ रही है। सड़क की दुर्दशा से स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में जेसीबी से की गई खुदाई के बाद गड्ढे खुले छोड़ दिए गए हैं, जिससे धूल का गुबार दिनभर उड़ता रहता है। हालात यह हैं कि वाहन चालकों को फिसलन और दुर्घटना का डर बना रहता है, वहीं दुकानदारों का कहना है कि ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर विशेष आक्रोश है कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद 40-40 फीट अतिक्रमण हटाकर लंबे संघर्ष के पश्चात इस सड़क का निर्माण संभव हो पाया था, लेकिन अब उसी सड़क को बिना ठोस योजना के दोबारा तोड़ दिया गया। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब दो सरकारी विभाग आमने-सामने आ गए। जलदाय विभाग की जेईएन सुशीला सैनी का कहना है कि सड़क तोड़ने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग से विधिवत अनुमति ली गई है। वहीं पीडब्ल्यूडी के एईएन शेरसिंह मीणा ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जलदाय विभाग ने किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि बिना अनुमति करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है तो संबंधित विभाग को नोटिस जारी कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विभागीय बयानबाजी और खींचतान के बीच आम जनता को धूल, गड्ढों और अव्यवस्था के बीच सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत करवाई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही से सरकारी धन और आमजन की सुविधा दोनों को नुकसान न उठाना पड़े।

बानसूर में 22 फरवरी को होगी अहीर महापंचायत

स्मार्ट हलचल|बानसूर

यादव समाज द्वारा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए रविवार को अहीर महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर यादव छात्रावास में समाज सुधार कमेटी के सदस्यों की बैठक हुई। समाज के पूर्व अध्यक्ष किशन लाल यादव ने बताया कि इस महापंचायत में समाज के सभी वर्तमान एवं पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, प्रधान, चेयरमैन, जिला परिषद सदस्य, पंचायत सदस्य, सरपंच और समाज के राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय सभी पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी उपस्थत रहेंगे। यादव ने यह भी बताया कि 100 दिन की कार्य योजना में लिए गए निर्णयों को 22 फरवरी को साधु-संतों की उपस्थिति में लागू किया जाएगा इस महापंचायत में बानसूर, नारायणपुर, विराट नगर, पावटा, कोटपुतली, बहरोड़, नीमराना, मुंडावर, कोटकासिम, तिजारा, किशनगढ़, खैरथल, अलवर सहित आसपास के क्षेत्रों से यादव समाज के लोग भाग लेंगे। बैठक में कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अजय यादव, पूर्व सरपंच रामसिंह, उद्योगपति रमेश यादव, मास्टर मातादीन यादव, रोहिताश्व, देशराज, प्रकाश यादव, अजय गुरुजी, प्रमोद यादव, कैप्टन हरीराम, जयमल नेता, देवीदयाल, सुरेंद्र कवि और कैलाश यादव सहित कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहें।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त अभियान, 3 किलो प्लास्टिक जब्त

स्मार्ट हलचल|हरसौर

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत मोड़ीकलां द्वारा सिंगल प्लास्टिक एवं प्लास्टिक कैरी बैग की रोकथाम को लेकर विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा रही है।

वीडीओ स्नेह कंवर शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान 9 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत ग्राम पंचायत की टीम द्वारा गांव के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 3 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्लास्टिक कैरी बैग जब्त किए गए। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों को कड़ी हिदायत दी गई।

वीडीओ शेखावत ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल सीमित अवधि तक नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में भी नियमित रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी जाएगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे प्लास्टिक का उपयोग न करें और गांव को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

कार्रवाई के दौरान सरपंच पार्वती मातवा, कनिष्ठ लिपिक पूनाराम, सुनीता चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारत के सहयोग से म्यांमार के नाविकों को मिलेगी सिम्युलेटर बेस्ड ट्रेनिंग

स्मार्ट हलचल

नेपीडॉ। भारत के वित्तीय सहयोग से म्यांमार में एक दो मंजिला ट्रेनिंग सेंटर का शिलान्यास हुआ है, जिसमें देश के नाविकों (सीफेयरर्स) के लिए सिम्युलेटर बेस्ड ट्रेनिंग, असेसमेंट और एग्जाम से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाएं आसानी से हो सकेंगी।

म्यांमार में भारतीय राजदूत अभय ठाकुर ने स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित भूमि पूजन समारोह (ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी) में हिस्सा लिया। भारतीय दूतावास की ओर से कहा गया है, दो मंजिला ट्रेनिंग सेंटर, जो 'सीफेयरर्स के लिए सिम्युलेटर बेस्ड ट्रेनिंग, असेसमेंट और एग्जाम सिस्टम' के लिए एक छोटा डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एसडीपी) है, के कंस्ट्रक्शन के लिए ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी आज यांगून में प्रोजेक्ट साइट पर हुई। दूतावास ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय राजदूत के अलावा यांगून रीजन गवर्नमेंट के चीफ मिनिस्टर यू सोए थीन; ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन्स के डिप्टी मिनिस्टर यू आंग क्याव तुन भी मौजूद रहे।

इस प्रोजेक्ट में सिम्युलेटर-बेस्ड ट्रेनिंग सेंटर के कंस्ट्रक्शन के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट के साथ-साथ यांगून में सीफेयरर्स की ट्रेनिंग के लिए मॉडर्न स्टेट ऑफ द आर्ट डिजिटल सिम्युलेटर लगाने का प्लान है।

बयान में कहा गया है एसडीपी को लागू करने के लिए इंडियन ग्रांट असिस्टेंस के लिए फ्रेमवर्क एमओयू पर असल में जुलाई 2010 में साइन किया गया था और यह जुलाई 2030 तक वैध है। इस सहयोग के तहत, भारत सरकार ने अलग-अलग एसडीपी प्रोजेक्ट्स को मदद दी है, जैसे कि सागाइंग इलाके के मोन्यवा में 500 बेड वाला हॉस्पिटल, रखाइन स्टेट में कंप्यूटर और एग्रो-मशीनरी की सप्लाई और म्यांमार के कई राज्यों और इलाकों में होम साइंस स्कूलों को मदद। बता दें कि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत जरूरतमंद मित्र पड़ोसी देशों की मदद के लिए हमेशा अग्रसर रहता है। भारत सरकार अपने स्मॉल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट इनिशिएटिव के जरिए, जो हर प्रोजेक्ट के लिए 20 लाख डॉलर तक की फंडिंग देता है, होस्ट देश की जरूरतों और प्राथमिकता के आधार पर हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

बिजली विभाग ने कई गांवों में चलाया राजस्व वसूली अभियान

लाखों रुपए का बिजली बिल बकाया चलते हुई कार्यवाही

स्मार्ट हलचल|बानसूर

क्षेत्र में बिजली विभाग ने बकाया बिजली बिलों की वसूली के लिए सख्त कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने बबेड़ी, मांची, रामनगर और ढ़ाकला सहित कई गांवों में राजस्व वसूली अभियान चलाया। इस दौरान बकाया राशि का भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं के कुल 8 ट्रांसफार्मर हटा दिए गए। रामनगर के सहायक अभियंता अजीत कुमार ने बताया कि ये अभियान बहरोड़ की टीम के साथ मिलकर चलाया गया। संबंधित उपभोक्ताओं पर लाखों रुपए का बिजली बिल बकाया था। विभाग ने पहले भी नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय सीमा में भुगतान न होने पर ये कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया हैं, उन्हें समय रहते भुगतान करने की सलाह दी गई है, अन्यथा उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रमज़ानुल मुबारक का पहला जुम्मा: इबादत, अमन और रहमत की दुआओं से गूंज उठीं मस्जिदें

शहर भर की मस्जिदों में अकीदतमंदों की उमड़ी भीड़, रोज़े के मसाइल पर इमामों ने डाली रोशनी

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। रमज़ानुल मुबारक के पहले जुम्मा के मौके पर मेड़ता रोड शहर की तमाम मस्जिदों में अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। सजदे में झुके हजारों सरों ने अल्लाह तआला से अमन, चैन, तरक्की और इंसानियत की भलाई के लिए दुआएं मांगीं। मस्जिदों का माहौल पूरी तरह रूहानी रंग में रंगा नजर आया, जहां नमाजियों ने पूरे एहतराम और खशूअ-खुज़ू के साथ जुम्मे की नमाज़ अदा की।

जुम्मे के खुत्बे में इमामों ने रमज़ान की फज़ीलत बयान करते हुए रोज़े के मसाइल, उसकी शर्तों और एहतियातों पर तफसील से रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि रोज़ा सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं, बल्कि आंख, कान और ज़बान की हिफाज़त का भी नाम है। रोज़ा इंसान को सब्र, तक़वा और हमदर्दी का सबक देता है। इमामों ने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि रमज़ान का महीना रहमत, मग़फिरत और जहन्नम से निजात का महीना है। इस मुबारक महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत, तिलावत-ए-कुरआन, सदक़ा व खैरात और जरूरतमंदों की मदद करने की ताकीद की गई। उन्होंने रोज़ेदारों को झूठ, गीबत और फिजूल बातों से बचने की नसीहत भी दी।

नमाज़ के बाद खास दुआ का एहतमाम किया गया, जिसमें मुल्क में अमन-ओ-अमान, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं। मस्जिदों के बाहर भी रौनक का आलम रहा, जहां लोग एक-दूसरे को रमज़ान की मुबारकबाद देते नजर आए। रमज़ानुल मुबारक के पहले जुम्मा ने एक बार फिर यह पैगाम दिया कि यह महीना सिर्फ इबादत का ही नहीं, बल्कि इंसानियत, मोहब्बत और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का भी है।

टीकाकरण अभियान को मिली नई गति डब्ल्यूएचओ ने ब्लॉक शिव में कार्ययोजना का गहन किया विश्लेषण

स्मार्ट हलचल|शिव

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग खण्ड शिव में संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विष्णुराम विश्नोई के निर्देशन में आयोजित की गई । ब्लॉक शिव में नियमित टीकाकरण कार्ययोजना को नई दिशा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) की प्रतिनिधि डॉ पल्लवी राव ने आज गहन विश्लेषण किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला स्तर से अशोक गोड़ ने प्रभावशाली प्रेजेंटेशन देकर अभियान की चुनौतियों व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बैठक में उपस्थित सभी सीएचओ, एएनएम एवं ओपरेटर को निर्देशित किया की गर्भवती महिला का पंजीयन, एनसीडी कार्यक्रम, आयुष्मान कार्ड तथा 70ई केवाईसी, संस्थागत प्रसव, सभी बच्चो का समय पर टीकाकरण एवं परिवार कल्याण की उपलब्धि शत प्रतिशत पूर्ण की जाये, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना एवं मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना महत्वपूर्ण योजना है इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नही बरती जाये खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ माधाराम कुमावत ने चिकित्सा संस्थानवार पीपीटी के माध्यम से समस्त गतिविधियों पर समीक्षा की गई, एएनसी, 12 सप्ताह, चार जांचे, टीकाकरण, जेएसवाई, राजश्री द्वितीय क़िस्त का भुगतान, लाडो प्रोत्साहन प्रथम, द्वितीय भुगतान आदि की विस्तृत समीक्षा कर निर्धारित समय पर अपना लक्ष्य प्राप्त करने के एएनएम को पाबंद दिया गया । जिन चिकित्सा संस्थानों की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई उनको आगामी बैठक से पूर्व लक्षित अर्जित करने हेतु पाबंद किया । खण्ड कार्यक्रम अधिकारी मेहराजसिंह सेजू ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति से सभी को अवगत करवाया, टीबी मुक्त भारत, परिवार कल्याण, आईएचआईपी पोर्टल, एचएमआई पोर्टल, मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु सामाजिक समीक्षा आदि कार्यक्रमों की समीक्षा कर कार्य में उपलब्धि अर्जित करने हेतु अवगत करवाया गया । राजेश जनागल बीएचएस द्वारा एनसीडी पोर्टल, आशा सॉफ्ट से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की । श्री अरविन्द कुमार कॉडीनेटर ने एनीमिया मुक्त राजस्थान प्रोगाम आईएफए सिरफ, आईएफए टेबलेट के समय पर डिमाण्ड एवं स्कूल, आगनवाड़ी केन्द्र, चिकित्सा संस्थानो पर उपलब्धता पर चर्चा की। बैठक में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, एलएचवी, एमपीडब्ल्यू, सेक्टर हैल्थ सुपरवाईजर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, सीएचओ एवं एएनएम आदि उपस्थत रहे।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

संपादकीय

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें ह्यबलात्कार के प्रयासह्ल की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है।

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क़्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।' पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल? भारत के लिए भरोसा या भविष्य का धोखा

कांतिलाल मांडोत

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है।

इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया।

चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकान यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती।

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है। चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं।

भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती।

भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी

इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है। भारत के लिए जरूरी है कि वह सतर्क, आत्मनिर्भर और संतुलित कूटनीति के सहारे हर संभावित परिस्थिति के लिए तैयार रहे।

एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ , 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ?

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दशार्ता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है।

इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, FBI की जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एप्सटीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत को उजागर करती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है

खून में हीमोग्लोबिन या रेड ब्लड सेल्स की कमी को एनीमिया कहते हैं। कई बार शरीर रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन बना नहीं पाता और कई बार ज्यादा खून बह जाने से शरीर में इनकी कमी हो जाती है। एनीमिया को एक तरह की बीमारी माना जाता है। ये बीमारी ज्यादातर महिलाओ को होती है और उनमें इसकी एक मुख्य वजह मासिक धर्म होता है। आमतौर पर पुरुषों में 100 मिली ग्राम खून में 13.5 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन और महिलाओं में 100 मिली ग्राम खून में 12 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन हो तो इसे एनीमिया की स्थिति कहते हैं। कई बार एनीमिया के मरीजों में बाहर से कोई लक्षण नहीं नजर आते या हल्के-फुल्के लक्षण नजर आते हैं जिन्हें लोग नजरअंदाज कर देते हैं। खून की सीबीसी जांच द्वारा इस बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

एनीमिया का कारण

एनीमिया का सबसे बड़ा कारण शरीर में आयरन की कमी है। एक सामान्य व्यक्ति के शरीर में 3-5 ग्राम आयरन होता है। शरीर में इसकी मात्रा कम होने पर खून कम बन पाता है और एनीमिया हो जाता है। कई बार ज्यादा मात्रा में खून बह जाना भी एनीमिया का कारण बनता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम की अधिकता से भी एनीमिया हो सकता है इसलिए कैल्शियम वाले खाद्य पदार्थों का बहुत अधिक सेवन भी शरीर के लिए खतरनाक है।

एनीमिया से बचाव

एनीमिया से बचाव के लिए आपको अपनी जीवनशैली में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ेगा। एनीमिया मुख्यत: शरीर में खून की कमी ही है इसलिए इससे बचाव के लिए ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर में खून की मात्रा बढ़े जैसे- चुकंदर, गाजर, पालक, टमाटर, बथुआ और अन्य हरी सब्जियां। के साथ-साथ काले चने और गुड़ में भी आयरन भरपूर होता है। रोजाना सुबह भीगे हुए काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है। इसके अलावा अगर आप सब्जी बनाने के लिए लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करते हैं तो इससे भी शरीर में आयरन की कमी दूर होती है। शरीर में आयरन की ज्यादा कमी होने पर आप चिकित्सक की सलाह से आयरन की गोलियां भी ले सकते हैं।

एनीमिया के लक्षण

काम के दौरान जल्दी थक जाना
दिनभर कमजोरी महसूस होना
त्वचा पीली पड़ना
सीढ़ी चढ़ते हुए चक्कर आ जाना
सीने और सिर में दर्द होना
तलवों और हथेलियों का ठंडा हो जाना

सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है किशमिश के पानी

किशमिश के पानी सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है। इससे पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है। सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं, लेकिन किशमिश का पानी सेहत के लिए और भी फायदेमंद होता है। किशमिश में कुछ ऐसे गुण होते हैं जो कि पानी के साथ मिलकर ज्यादा असरदार हो जाते हैं। इसके लिए रात के समय एक गिलास पानी में 8 से 10 किशमिश भिगोकर रख दें और सुबह इसे अच्छी तरह पीस लें। अगली सुबह किशमिश छान कर पानी को पीने लायक गरम करें और इसे खाली पेट पिएं। किशमिश का पानी पीने के बाद 30 से 35 मिनट तक इंतजार करें और फिर नाश्ता करें। किशमिश का पानी लीवर में बायोकैमिकल प्रोसेस शुरु करता है, जिससे खून तेजी साफ से होने लगता है। इसके अलावा किशमिश में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए इसे स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। किशमिश में प्राकृतिक शुगर भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। किशमिश का पानी पीने के और भी फायदे।

दांतों के लिए : किशमिश में ऑलियानॉलिक एसिड होता है जो कि फाइटोकेमिकल्स में से एक है और यह दांतों को केविटी और कई दिक्कतों से बचाता है। साथ ही किशमिश दांतों में बैक्टिरिया फैलने से रोकता है और दांतो को सुरक्षित रखता है। इसमें केल्शियम की मात्रा बहुत अधिक होती है और यह आपके दांतो को टूटने से बचाता है।

स्किन के लिए : किशमिश के पानी में फ्लेवेनॉइड्स एंटी ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्किन पर होने वाली झुर्रियों को तेजी से कम करने में सहायक है। यह बढ़ती उम्र के निशान को कम कर आपको जवां दिखने में मदद करता है।

सांसों की बदबू के लिए : किशमिश में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इससे बैक्टीरिया से लड़ने में सहायता मिलती है और मुंह से आने वाली बदबू दूर होती है। इसके अलावा इसका उपयोग कई हेल्थ टॉनिक में भी किया जाता है।

पेट संबंधी रोगों के लिए : किशमिश के पानी से पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है। साथ ही इसके नियमित सेवन से थकान भी दूर रहती है और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

हार्ट प्रॉब्लम के लिए : हर रोज किशमिश का पानी उन लोगों के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है जो अधिक कोलेस्ट्रॉल लेवल की वजह से परेशान हैं और उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दरअसल किशमिश का पानी शरीर में ट्राईग्लिसेराइड्स के स्तर को कम करने में मददगार है। इससे आपके शरीर में हर्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

आंखों के लिए : किशमिश में पॉलीफेनॉलिक फायटोन्यूट्रिंस होते हैं जो कि एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं और यह आंखों की आई साइड को ठीक रखने में मदद करती है। इसमें कई तरह के एंटी बॉयटिक और एंटी ऑक्सीडेंट फिनॉलिक पायथोन्यूट्रियंट तत्व होते हैं जो कि बुखार को भी ठीक कर देते हैं।

संक्रमण से होती है आंखें लाल

आंख लाल होने की समस्या तब होती है जब आंख की सतह पर मौजूद रक्त वाहिकाएं फैलती हैं या चौड़ी होती हैं। ऐसा तब होता है जब आपकी आंख में कोई बाहरी चीज चली जाती है या कोई संक्रमण होता है। आंख आमतौर पर कुछ समय के लिए लाल हो जाती हैं। इसके साथ आंख में दर्द, आंखों में खुजली, रिसाव, आंखों की सूजन और धुंधला दिखना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आंख लाल होने में या तो आंखों का पूरा सफेद हिस्सा लाल दिखने लगता है या कुछ रक्त वाहिकाएं सूज कर लाल हो जाती हैं। अगर आपकी आंख ठीक नहीं होती और लाली बढ़ती है, तो अपने डॉक्टर के पास जाएं।

लक्षण

आंख में खुजली होना
आंख से ज्यादा आंसू आना
आंख से रिसाव होना
प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
धुंधला दिखना
नजर कमजोर होना
एक या दोनों आंखों में किरकिराहट महसूस होना
देखने या पढ़ने के बाद असहजता महसूस होना

कारण

इन कारणों से लाल होती हैं आंखें
सूखे बाल
मिट्टी
ऐलर्जी
ऐसी स्थिति में डॉक्टर को दिखाएं
आंख में हाल ही में चोट लगी है

अगर आप नजर में बदलाव, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, तेज सिरदर्द जैसे लक्षण अनुभव कर रहे हों।

ज्यादा दर्द हो रहा हो।
सिर पर चोट लगी हो।
किसी रसायन से आंख में चोट पहुंची हो

बचाव

आंखों को न मलें। आंखें मलने से इंफेक्शन व ऐलर्जी करने वाले बैक्टीरिया चले जाते हैं।

जोर से आंख मलने से कॉर्निया में खरोंच और सबकन्जंक्टिवाईटल हेमरेज हो सकता है।

धुएं, भाप, पराग, मिट्टी और क्लोरीन जैसे उत्तेजक पदार्थो से दूर रहें।

अपने कॉन्टैक्ट लेंस की सही से देखभाल करें।

कॉन्टैक्ट लेंस को ज्यादा समय तक न पहनें और इन्हें पहन कर न सोएं।

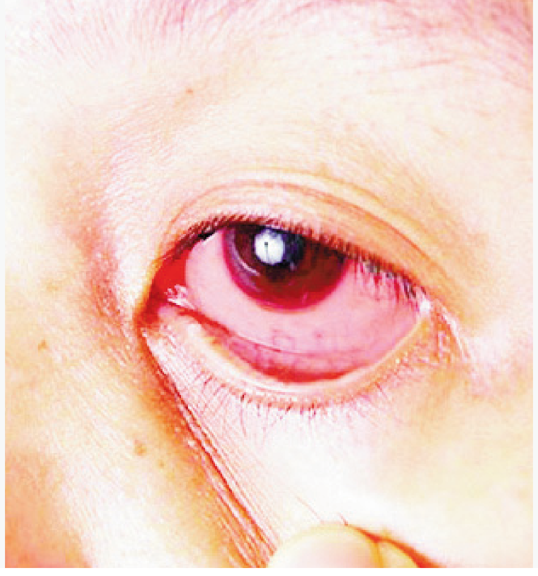

युवाओं में तनाव से बढ़ रहे हृदयाघात के मामले

भारतीय युवाओं में हृदयाघात की समस्या बढ़ती जा रही है और यदि इस समस्या पर रोक के उपाय नहीं किए गए तो यह महामारी का रूप ले कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार हृदय रोग की महामारी को रोकने का एकमात्र तरीका लोगों को शिक्षित करना है।

आम तौर पर दिल के दौरे का संबंध पहले बुढ़ापे से माना जाता था।लेकिन अब अधिकतर लोग उम्र के दूसरे, तीसरे और चौथे दशक के दौरान ही दिल की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। आधुनिक जीवन के बढ़ते तनाव ने युवाओं में दिल की बीमारियों के खतरे पैदा कर दिया है हालांकि अनुवांशिक और पारिवारिक इतिहास अब भी सबसे आम और अनियंत्रित जोखिम कारक बना हुआ है, लेकिन युवा पीढ़ी में अधिकतर हृदय रोग का कारण अत्यधिक तनाव और लगातार लंबे समय तक काम करने के साथ-साथ अनियमित नींद पैटर्न है। धूम्रपान और आराम तलब जीवनशैली भी 20 से 30 साल के आयु वर्ग के लोगों में इसके जोखिम को बढ़ा रही है।

ओपन हार्ट सर्जरी के मामले बढ़े

देश में हृदय अस्पतालों में दो लाख से अधिक ओपन हार्ट सर्जरी की जाती है और इसमें सालाना 25 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।यह सर्जरी केवल तात्कालिक लाभ के लिए होती है। हृदय रोग के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए लोगों को हृदय रोग और इसके जोखिम कारकों के बारे में अवगत कराना महत्वपूर्ण है।

कोरोनरी हृदय रोग ठीक नहीं हो सकता है, लेकिन इसके इलाज से लक्षणों का प्रबंधन करने, दिल की कार्यप्रणाली में सुधार करने और दिल के दौरे जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए जीवनशैली में परिवर्तन, दवाएं और नॉन-इंवैसिव उपचार शामिल हैं। अधिक गंभीर मामलों में इंवैसिव और शल्य चिकित्सा उपचार की आवश्यकता होती है।

समान लक्षण नहीं होते

सभी हृदय रोगियों में समान लक्षण नहीं होते हैं और एंजाइना छाती का दर्द इसका सबसे आम लक्षण नहीं है। कुछ लोगों को अपच की तरह असहज महसूस हो सकता है और कुछ मामलों में गंभीर दर्द, भारीपन या जकड़न हो सकता है। आमतौर पर दर्द छाती के बीच में महसूस होता है, जो बाहों, गर्दन, जबड़े और यहां तक कि पेट तक फैलता है, और साथ ही धड़कन का बढ़ना और सांस लेने में समस्या होती है।

अगर धमनियां पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती हैं, तो दिल का दौरा पड़ सकता है, जो हृदय की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है। दिल के दौरे में होने वाले दर्द में पसीना आना, चक्कर आना, मतली और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com